डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 200 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 06 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

शहर में फिर चैन स्नेचिंग, दो बदमाशों ने महिला के गले से चेन झपटी

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर थाना क्षेत्र के दशरथ नगर में बाइक सवार दो बदमाशों ने चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया। यहां बदमाश एक महिला के गले से सोने की चेन झपट ले गए। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। Cctv फुटेज से बाइक सवार दो बदमाशों को पहचानने की कोशिश की जा रही हैं।

मिली जानकारी के अनुसार विभा पति सुंदर जैन दशरथ नगर क्षेत्र से पैदल कहीं जा रही थी। इसी दौरान पिछे से बाइक सवार दो बदमाश आए। महिला के गले से करीब डेढ तौले की चेन झपटकर भाग निकले। इसके बाद लोगों को यह जानकारी मिली। बाद में .... शेष पेज 4 पर

धूप में लटक रहे कुरकुरे....

जिम्मेदार निभा रहे पैकेज्ड स्नेक बेचने वालों से मित्रता..!

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। गर्मियों की तपती धूप में दुकानों के बाहर बिक रहे कुरकुरे, चिप्स और अन्य पैकेज्ड स्नैक्स बच्चों की सेहत के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। कई दुकानदार धूप में खुले में रखे इन स्नैक्स को बेधड़क बेच रहे हैं, जिससे इन पर हानिकारक रासायनिक बदलाव हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, प्लास्टिक पैकेट में बंद खाद्य पदार्थ जब तेज धूप में लंबे समय तक रखे रहते हैं तो उनमें मौजूद तेल और मसाले गर्मी से प्रभावित होकर हानिकारक तत्वों में बदल सकते हैं। इससे बच्चों को पेट दर्द, उल्टी, दस्त के अलावा कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। इसके अलावा भी अन्य कई नियम कायदे कागज पर रखकर कुरकुरे बेचे जा रहे हैं। इसके बाद भी खाद्य एवं औषधि विभाग कुरकुरे वालों से मित्रता निभा रहा है।

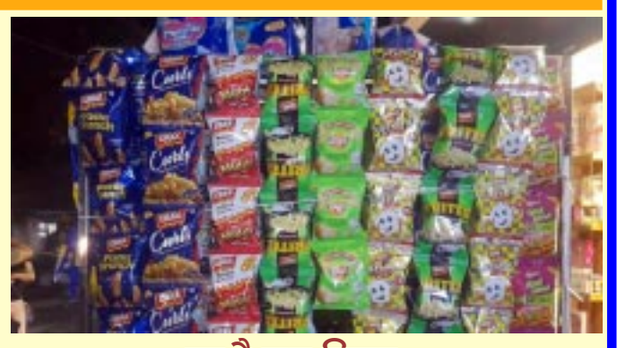

बड़ा मार्जिन, बड़ी बीमारी...

दुकानों पर नामी कंपनियों की बजाय नए नए नामों के हवा से भरे बड़े बड़े पैकेट लटके हुए नजर आ रहे हैं। इसका कारण है नामी कंपनियों के नियम और उसमें कम मार्जिन। लेकिन, ज्यादा मार्जिन देने वाले पैक्ड फुड प्रोडक्ट पर खाद्य पदार्थ की मात्रा जरुर ज्यादा दे रहे है। लेकिन, इनकी गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। इसका कारण है कि कई तरह के पैक्ड पाउच पर एक्सपायर डेट, निर्माण तिथि, कंपनी के कांटेक्ट नंबर सहित आवश्यक जानकारी अंकित ही नहीं है। उदाहरण के लिए अगर बाजार में अच्छी खासी सेल देने वाली कंपनियों की बात करें तो कंपनी के नियमानुसार केश पेमेंट दुकानदार को करना होता है। यहां उधारी का काम नहीं होता। इसके अलावा कंपनी सिर्फ ज्यादा पसंद किए जाने वाला माल ही नहीं, बल्कि अन्य प्रोडक्ट भी दुकानों पर रखने के लिए दबाव डालती है। वहीं मार्जिन भी इसमें कम होता है। ऐसे में हर किसी तरह के प्रोडक्ट को दुकानदार बेच रहे हैं।

यह है कुछ नियम...

✻ एक्ट के तहत लाइसेंस लेना आवश्यक ✻ 12 लाख से ज्यादा के आय-व्यय वाले दुकानदारों को फूड सिक्योरिटी एक्ट के तहत लाइसेंस लेना आवश्यक। ✻ 12 लाख से कम आय वाले दुकानदारों को खाद्य औषधि प्रशासन विभाग में पंजीयन कराना होगा। ✻ खाद्य सामग्री के पैकेट पर निर्माता कंपनी का नाम और पते का स्पष्टउल्लेख हो। ✻ यदि उत्पादक ने किसी खाद्य सामग्री में रंग मिलाया है, तो उसकी क्वालिटी का स्पष्टउल्लेख हो। ✻ खाद्य सामग्री के पैकेट पर न्यूट्रीशियन वैल्यू, बैज नंबर, निर्माण तिथि और एक्सपायरी डेट का अंकित होना आवश्यक है।

हो सकती है सजा और जुर्माना...

यदि किसी खाद्य सामग्री के पैकेट पर एक्सपायरी डेट नहीं है। इसके अलावा पैकिंग का तरीका असुरक्षित है तथा बैज नंबर व पता भी उल्लेखित नहीं है तो इसे न केवल घोर लापरवाही माना जाएगा, बल्कि नियमों का पालन नहीं करने वाले दुकानदार व कंपनी के खिलाफ 3 से 5 लाख रुपए तक जुर्माना करने का प्रावधान है।

तालाब में डूबने से दो बहनों की मौत

जल हादसों में हर साल 08-10 बच्चों की जा रही जान

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। कुछ दिन ही बीतते हैं और जिले के किसी न किसी क्षेत्र में डूबने से बच्चों की मौत की खबर सामने आ जाती है। मंदसौर जिले में हर साल औसत 08 से 10 बच्चों की मौत पानी में डूबने से हो रही है। पांच साल में करीब एक दर्जन हादसों में लगभग 30 बच्चों की डूबने से मौत हो चुकी है। ये वे हादसे में जिनमें एक से अधिक बच्चों की एक साथ मौत हुई। जबकि, आधा दर्जन से अधिक ऐसे हादसे भी है जिनमें एक-एक बच्चों की मौत तालाब, नदी, कुओं में डूबने से हुई है। एक बार फिर गांधी सागर थाना क्षेत्र के नावली में हादसा हुआ। जहां दो चचेरी बहनों की डूबने से मौत हो गई।

गांधी सागर पुलिस ने बताया कि प्रज्ञा पिता विकास उम्र 05 साल और अर्चना मां ललिता उम्र 11 साल खेलते समय नावली डेरा के पास स्थित तालाब में चली गई। इसी दौरान गहरे पानी में जाने के कारण वह डूब गई। बाद में लोगों को जानकारी मिली। पुलिस को सूचना दी गई। जब तक बालिकाओं को बाहर निकाला जाता, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना रविवार दोपहर की है।

जल हादसों में कई बच्चे हों गये काल कवलित...

थोड़े थोड़े समय में तालाब व अन्य जलाशयों में बच्चों के डूबने के हादसे हो रहे हैं। पांच साल में हुए करीब डेढ दर्जन हादसों में तीस से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है। बच्चे कभी तालाब तो कभी अवैध या वैध खनन से हुए पानी के गड्ढों में नहाने के लिए उतरते है। लेकिन, पानी की गहराई पता नहीं होने के कारण डूब जाते हैं। अब तक हुए हादसों में अधिकांश में यहीं सामने आया है कि बच्चे तालाब व अन्य जलाशयों पर नहाने के लिए पहुंचे थे। ऐसे में अभिभावकों को सतर्क रहना बहुत आवश्यक है।

बीते दिनों में ये हुए बड़े हादसे...

✻ 21 मार्च 2021 को होली के दिन शामगढ के नजदीक ग्राम जूनापानी में स्थित तालाब में तीन दोस्त डूब गए थे। इनमें से एक को तैराक ने बचा लिया था। जबकि, दो की मौत हो गई। 17 वर्षीय गोपाल व्यास, 17 वर्षीय विशाल बैरागी व 16 वर्षीय संस्कार तीनों निवासी शामगढ होली खेलने के लिये दोपहर में जूनापानी तालाब पर पहुंचे। यहां नहाते समय गोपाल व विशाल की डूबने से मौत

हो गई थी। संस्कार को शामगढ के तैराक रोशन पंजाबी ने बचा लिया था। ✻ 10 अगस्त 2021 को ग्राम रहीमगढ में तालाब में डूबने से आठ वर्षीय गोविंद और 10 वर्षीय लखन की मौत हो गई। दोनों सगे भाई थे। दोनों बच्चे साइकिल से तालाब के पास खेलने गए थे और वहां तालाब में जाकर नहाने लगे। वहीं गहरे पानी में जाने से दोनों डूब गए। बाद में ग्रामीणों ने तालाब से बच्चों को बाहर निकाला तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। ✻ 2 सितम्बर-2021 को सुवासरा क्षेत्र के ग्राम धनवाडा में तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। इस घटना में आठ वर्षीय अक्षय पुत्र जितेन्द्र बंजारा, सात वर्षीय पुत्र कान्हा उर्फ किशन बंजारा गांव में ही स्थित तालाब पर नहाने गए थे। नहाने के दौरान दोनों गहरे पानी में पहुंचे और डूब गए थे। लोगों की मदद से दोनों बच्चों को निकाला गया, तब तक डूबने से उनकी मौत हो चुकी थी। ✻ 4 सितंबर-2021 को जूनापानी गांव के तालाब में डूबने से आठ वर्षीय विशाल और 10 वर्षीय वर्षा की मौत हो गई थी। दोनों बच्चे खेलते-खेलते तालाब के पास चले गए थे। यहां गहरे पानी में जाने से वे डूब गए। लोगों ने दोनों को पानी से निकाला, लेकिन तब तक मौत हो चुकी थी।

✻ 2 जनवरी 2022 को चंदवासा चौकी क्षेत्र के ग्राम तोलाखेडी में चंबल नदी का बेकवाटर पार कर दर्शन करने जा रही तीन महिलाओं की नदी में डूबने से मौत हो गई थी। मृतिकाओ में दो सगी बहनें और एक बहू शामिल थी। इस हादसे में ग्राम तोलाखेडी निवासी सगी बहनें 55 वर्षीय मोहनबाई धनगर और 53 वर्षीय रामीबाई धनगर व बहू 32 वर्षीय कारीबाई धनगर की मृत्यु डूबने से हुई थी। ✻ 10 मई 2022 सीतामऊ क्षेत्र के ग्राम दलावदा के पुराने तालाब में दो सगी बहनों सहित तीन बालिकाओं की डूबने से मृत्यु हो गई थी। तालाब में नहाने के दौरान दलावदा निवासी प्रकाश कुशवाह की 16 वर्षीय पुत्री आरती व 13 वर्षीय पुत्री गायत्री और उसके चचेरे भाई दिनेश कुशवाह की 14 वर्षीय पुत्री राधा की डूबने से मृत्यु हो गई थी। ✻ 11 जून 2022 आठ-लेन सडक निर्माण में पुलिया निर्माण के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में नहाने पहुंचे दो बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई थी। ग्राम पांगाखेडा निवासी 10 वर्षीय विष्णु पुत्र विरमलाल मेघवाल एवं 10 वर्षीय यश पुत्र उमेश मेघवाल गांव कल्याणपुरा से अपने गांव पांगाखेडा आ रहे थे। तभी रास्ते में एट -लेन के गड्ढे में भरे पानी में नहाने लगे। इसी दौरान विष्णु एवं यश की डूबने से मौत हो गई थी। ✻ 3 अगस्त 2022 को संजीत रोड पर स्थित ग्राम मूंदडी में स्थित खदान में भरे पानी में डूबने से चार किशोरों की मौत हो गई। यह सभी मंदसौर के निवासी थे। खदान में डूबने से 16 वर्षीय दीपक सिंघला निवासी कल्पना नगर, 16 वर्षीय कुणाल कछावा निवासी शंकर विहार, 17 वर्षीय ध्रुव शर्मा, 15 वर्षीय तरुणसिंह सोलंकी निवासी अभिनंदन की मृत्यु हो गई थी। चारों किशोर अपने दो अन्य साथियों के साथ शहर से लगभग 8 किमी दूर ग्राम मूंदडी में खदानों में भरे पानी में नहाने गए थे। ✻ 31 जुलाई 2023 को नगरी नगर परिषद क्षेत्र के ग्राम बुआखेडी में शास. उमावि के सामने स्टेडियम निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढों में भरे पानी में डूबने से दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई थी। गड्ढों में बारिश का पानी भरा हुआ था। वहां दोनों बच्चे हरीश पुत्र सत्यनारायण एवं राज पुत्र विनोद खेल रहे थे, अचानक उनका पैर फिसल गया और वे गड्ढे में भरे पानी में डूब गए। डूबने से दोनों बच्चों की मौत हो गई थी। ✻ 16 अक्टूबर 2023 को ग्राम सूर्याखेडा में पोखर में नहाने के दौरान बच्चों की डूबने से मौत हो गई। 10 वर्षीय कमल पुत्र मुकेश बंजारा एवं 12 वर्षीय जीवन पुत्र प्रकाश बंजारा पोखर में नहाने गए थे, इसी दौरान दोनों बच्चों की डूबने से मौत हो गई। बालक जीवन महिदपुर का निवासी था वह कुछ दिन पहले ही अपने मामा के घर सूर्याखेडा आया था। ✻ 1 सितंबर 2024 को मंदसौर जिले के ग्राम देवरिया विजय में रविवार दोपहर नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई।

उज्जैन वन विभाग की टीम रिमांड तक नहीं ले पाई आरोपियों की

उज्जैन, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। महाराष्ट्र के नागपुर वन विभाग की स्पेशल टास्क फोर्स ने उज्जैन आकर तेंदुआ की खाल से बनी 2 ट्राफी के साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक इंदौर का निवासी है दुसरा उज्जैन निवासी है।नागपुर एसटीएफ ने आरोपियों के साथ ही जब्त ट्राफी एवं दोनो आरोपी उज्जैन वन विभाग के सुपुर्द किए थे। आरोपियों को सोमवार को न्यायालय में पेश करने के दौरान वन विभाग ने रिमांड तक की मांग नहीं रखी जिससे न्यायालय ने दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

रविवार को नागपुर वन विभाग की स्पेशल टास्क फोर्स ने इंदौर रोड फोर लेन स्थित निजी होटल मित्तल पेराडाईज में छापामार कार्रवाई करते हुए वहां से शैलेन्द्र पिता राधेश्याम 57 वर्ष निवासी स्कीम नंबर 74 विजयनगर इंदौर के साथ ही किशोर पिता सुभाष चंद्र जैन 48 वर्ष बडा सराफा छत्रीचौक,उज्जैन को पकडा था। इनके पास से कमरे के अंदर ही एक बाक्स में पैकिंग की... शेष पेज 4 पर

मौसम ने दिखाये 24 घंटे में तीन रंग

आंधी-तूफान... बारिश और ओलावृष्टि, गर्मी से मिली निजात, 08 मई तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। मौसम ने 24 घंटे में तीन रंग दिखाए। रविवार शाम को बारिश-ओलावृष्टि, सोमवार दोपहर मौसम खुला और सोमवार शाम को फिर बारिश और ओलावृष्टि रविवार देर शाम को मौसम बदला। बारिश और आंधी तूफान का दौर चला। इस दौरान कहीं तेज - कहीं धीमी बारिश ने गर्मी के मौसम में ठंडक का एहसास कराया तो कई जगह बिजली की चमक और काले बादलों के साथ ओलावृष्टि के नजारे भी देखने को मिले। कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई। इसके बाद सोमवार सुबह बारिश का दौर फिर शुरु हुआ। आंधी तूफान ने कई जगहों पर व्यवस्था बिगाडी। हालांकि इस दौरान मौसम में ठंडक घुल गई। वहीं दोपहर में धूप खिल गई। जिससे उमस और गर्मी में कुछ इजाफा हुआ। इसके बाद सोमवार देर शाम शाम को फिर मौसम बदला। इस बार मंदसौर सहित अंचल में कई जगहों पर झमाझम बारिश हुई। मंदसौर में ओलावृष्टी भी हुई। मक्का के दाने के आकार के ओले गिरे। बारिश से सडकों पर पानी जमा हो गया। जिससे आवागमन बाधित हुआ। इधर बारिश के साथ आंधी तूफान के चलते शहर में कई क्षेत्रों में कई बार गुल होती रही। इस दौरान लंबे समय तक लोग बिजली का इंतजार करते रहे। शामगढ में बारिश और आंधी तूफान से मेले में अव्यवस्था फैल गई। दूधाखेडी में सामूहिक विवाह समारोह में टेंट तंबू उड गए। गांधी सागर, रामपुरा और चंदवासा मेलखेडा रोड के बीच पेड गिर गया। जिससे यातायात प्रभावित हुआ। इसके अलावा शामगढ में कुछ घरों के चद्दर भी उड गए।

रविवार के बाद सोमवार को भी मंदसौर शहर के साथ शामगढ, सुवासरा, गरोठ, सीतामऊ, पिपलिया मंडी, मल्हारगढ और दलौदा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बादल जमकर मेहरबान हुए। अंचल के विभिन्न क्षेत्रो में हुई। मौसम विभाग की माने तो साइक्लोन सिस्टम एक्टिव होने से बारिश का दौर देखने को मिल रहा है। आगामी 06 और 07 और 08 मई को प्रदेश के तमाम जिलों के साथ मंदसौर जिले में भी बरसात और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में आने वाले दिनों में भी बादलों की मेहरबानी यानी कि बारिश देखने को मिल सकती है। फिलहाल उमस और गर्मी से निजात मिलने की संभावनाएं कम

ही बताई जा रही हैं। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. अरुण शर्मा ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ की वजह से पूरे प्रदेश में मौसम बदला हुआ है। रविवार व सोमवार को कई जिलों में आंधी, बारिश हुई और ओले गिरे। कहीं-कहीं हवा की रफ्तार 50 से 60 किमी प्रतिघंटा तक रही।

तीन दिन आंधी, बारिश-ओले का सिस्टम...

मध्यप्रदेश में अगले 03 दिन यानी, 08 मई तक आंधी, बारिश और ओले का सिस्टम एक्टिव है। रविवार को इंदौर में रिकॉर्ड पौने 3 इंच पानी गिर गया, जबकि भोपाल समेत कई जिलों में ओले गिरे। ऐसा ही मौसम सोमवार को भी बना रहा। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, धार, बुरहानपुर, खरगोन, खंडवा, हरदा, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, राजगढ, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, सागर, दमोह, कटनी, निवाडी, टीकमगढ, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली में गरज-चमक, आंधी और बारिश का दौर जारी रहेगा।

मई में पड़ेगी सबसे ज्यादा गर्मी...

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में मई के महीने में ही सबसे ज्यादा गर्मी पडती है। पिछले 10 साल का ट्रेंड देखें तो कई शहरों में पारा 47-48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। दिन में हीट वेव चलेगी तो रातें भी गर्म रहेंगी। मई में बारिश का भी ट्रेंड रहता है। इस बार मई की शुरुआत में ही मौसम बदला हुआ है। माह के चौथे और पांचवे दिन ही कई जिलों में बारिश हुई।

आंधी से उखड़ कर गिरा लोहे का होर्डिंग, बड़ा हादसा टला

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। नियम कायदों को ताक पर रखकर समूचे शहर में जगह-जगह होर्डिंग लगे हुए हैं। लेकिन, जिम्मेदार किसी तरह की कार्रवाई करने को तैयार नहीं है। हालत यह हो गई है कि यह होर्डिंग आम जनता के लिए जान की आफत बन रहे हैं। बावजूद इसके जिम्मेदार आंखे मूंद कर बैठे हैं। सोमवार की शाम मंदसौर नेहरु बस स्टैंड पर ऐसा ही एक होर्डिंग आंधी से उखाडकर छत से सडक पर आ गिरा। यह तो गनीमत रही कि घटना के वक्त हल्की बारिश हो रही थी, जिसके कारण वहां कोई भी मौजूद नहीं था। अन्यथा बडी जनहानि होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता था।

मंदसौर के नेहरू बस स्टैंड प्रतीक्षालय की छत पर लंबे समय से होर्डिंग लगा हुआ था। लोहे के भारी भरकम गाडर और पाइप से बने हुए होर्डिंग का सालों से कोई मेंटेनेंस नहीं किया गया जिसके चलते सोमवार की शाम को पिलर सहित पूरा होर्डिंग सडक पर आ गिरा। यह तो गनीमत थी कि घटना के वक्त कोई भी सडक पर खडा नहीं था। वरना बडी जनहानि हो सकती थी। हालांकि होर्डिंग गिरने से सडक पर खडी कुछ गाडियों को जरूर नुकसान हुआ है। इधर लापरवाही का आलम यह है कि होर्डिंग गिरने के बाद भी नगर पालिका समेत अन्य कोई भी जिम्मेदार मौके पर नहीं पहुंचे। किसी ने भी यह जानने की कोशिश नहीं की कि आखिर किस लापरवाही से इतना बडा होर्डिंग लोगों की जान पर आफत बनते हुए सडक पर आ गिरा। बता दे कि शहर में यह एकमात्र होर्डिंग नहीं था जो आम जनता के जीवन के जीवन के लिये मुसीबत बना हुआ था। बल्कि ऐसे कई होर्डिंग शहर में अवैध रूप से लगे हुए हैं, जिन पर नगर पालिका के कर्ता धर्ता कोई कार्रवाई करने को तैयार नहीं है। यदि बस स्टैंड के हादसे के बाद भी सबक नहीं लिया गया तो हो सकता है शहर में किसी दिन कोई बडा हादसा इन अवैध होर्डिंगों से हो जाए। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता हैं।

जातीय जनगणना सर्वेक्षण के आंकड़े राजनीतिक दलों को फायदा पहुंचाएंगे या देश को...!

मंदसौर / उज्जैन, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। जातीय जनगणना वर्तमान में विपक्ष खास कर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की लगातार मांग पर सरकार की सहमति मानी जा रही है। मंडल आयोग की 1980 की सिफारिश के फायदे और नुकसान को तब भी देशवासियों ने देखा था, आज भी देख रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि यह मांग आजादी के इतने साल बाद जिंदा होकर सतह पर हुंकार भरने लगी है। अभी तक आठ बार जातिय जनगणना हो चुकी है। सात बार अंग्रेजों के शासनकाल में एक बार आजाद भारत में इसमें से 1872 से 1931 तक। सात बार गुलामी के समय और 2011 में आजादी के बाद जिसमें कुल जातियां 46 लाख से ज्यादा पाई गई थी। जबकि, 1931 की जाति जनगणना के समय 4147 जातियां थी जो 2011 में तक बढ़कर 46 लाख हो चुकी थी। इसके बाद 1951 में भी जातीय जनगणना शुरु कराई गई थी। पर बाद में इसलिए बंद कर दी थी कि इससे देशवासियों में सामाजिक असमानता और अधिक बढ जाएगी। 1980 के मंडल आयोग ने भी तत्कालीन सिफारिश में ओबीसी को 52 प्रतिशत माना था। बिहार के वर्तमान जातिय जनगणना में ओबीसी और इबीसी को एक माना गया है जो कुल 63प्रतिशत बताई गई है। इस तरह के आंकड़ों के साथ अब 74 साल बाद जातिय जनगणना फिर से शुरु होगी और पहले के सामाजिक ताने-बाने की संरचना में जब 1931 की 4147 जातियां 2011 में बढ़कर 46 लाख से अधिक हो चुकी थी। तब सहज अंदाज लगाया जा सकता है कि 2025 की जनगणना के आंकड़े पूर्ण हो जाने तक यह संख्या बढ़कर कहीं 50 लाख तक ना पहुंच जाए!

चन्द्रमोहन भगत

किसी भी देश के लिए उसके भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, औद्योगिक, कृषि जैसे प्राकृतिक उत्पादों तथा साक्षरता आदि आंकडों की सही जानकारी होना एक उपलब्धि माना जाता है। देश की प्रगति में ये आंकडे महत्वपूर्ण पैमाना होते हैं। बावजूद इसके यही आंकडे सामाजिक और आर्थिक समरसता में कडवाहट भी पैदा कर देते हैं। इसीलिए जाति जनगणना के नतीजे का समाज में दुरुपयोग किए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। वर्तमान दौर में ही हमारे देश में स्वर्ण, पिछडे, जनजाति वर्ग में सार्वजनिक मतभेद सतह पर नजर आ रहे हैं। इसके अलावा हिंदू, मुस्लिम, सिख जैसे वर्ग में अनेकों बार अलगाव से लेकर हिंसक विरोध देखा गया है। ऐसे में जैसे-जैसे पुराने आंकडों में अंतर बढा हुआ दर्ज साफ है कि 2025 की जनगणना के बाद और अधिक बढा हुआ नजर आएगा। तब इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि जैसे वर्तमान समय में राजनीतिक शासन, प्रशासन जैसे वर्ग में जाति आधार पर मतभेद गहराते जा रहे हैं भविष्य की जनगणना के बाद यह अंतर और अधिक होकर सामाजिक विषमता को वैमनस्यता में ना बदल दें, जो भविष्य में देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा को कमजोर करने का शस्त्र ना बन जाए?

श्री महाकाल मंदिर के शंखद्वार वीआईपी गेट के प्रथम तल पर आग लगी

उज्जैन, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। सोमवार पूर्वान्ह श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रशासनिक कार्यालय से चंद मीटर दूर मंदिर प्रवेश के गेट नं-1 शंखद्वार वीआईपी प्रवेश द्वार की प्रथम तल जिसे फेसिलिटी की छत कहा जाता है पर स्थित प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा स्थापित ईकाई कार्यालय में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया जिसे दूर तक देखा गया। घटना के समय यहां निजी कंपनी का आपरेटर जयदीप कुडापे मौजूद था। आग पर फायर ब्रिगेड ने आकर काबू किया। इस अग्निकांड में करीब 5 करोड का नुकसान होने की जानकारी सामने आ रही है।

श्री महाकालेश्वर मंदिर के गेट नं-1 के प्रथम तल की छत पर प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड ने 3 वर्ष पूर्व वायू गुणवत्ता मानिटरिंग के लिए यंत्रों के साथ ईकाई कार्यालय स्थापित कर रखा था। मंदिर से इसकी दूरी करीब 200 मीटर के लगभग है। प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के सिनियर सांईटिस्ट ए डी संत के अनुसार इस ईकाई में प्रायवेट कंपनी ईको टेब सप्लायर का आपरेटर यहां मौजूद था। उसी के सामने घटना हुई और शार्ट सर्किट से कुछ ही देर में यहां लगी मशीनें, बैटरी, एसी सहित ईकाई कार्यालय पूरी तरह से जल गया। इस अग्निकांड में बोर्ड को करीब 5 करोड के नुकसान का अनुमान है। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल के अनुसार घटना करीब 11.30 से 11.45 के मध्य की है। प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के ईकाई कार्यालय में निजी कंपनी के... शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

ईडी की कार्रवाइयों को लेकर सवाल...!

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्रवाइयों को लेकर लंबे समय से अंगुलियां उठती रही हैं। सर्वोच्च न्यायालय भी कुछ मौकों पर उसके अधिकारियों को फटकार लगा चुका है कि वे धनशोधन के मामलों में गिरफ्तारियां तो खूब करते हैं, पर उनमें दोषसिद्धि की दर बहुत कम है। इससे उनकी कार्रवाई पर संदेह होता है। हालांकि अतिरिक्त महाधिवक्ता एसवी राजू ने अनेक मौकों पर अदालतों में ईडी का बचाव किया है, मगर उन्होंने भी खुद प्रवर्तन निदेशालय के स्थापना दिवस के मौके पर उसके अधिकारियों को नसीहत दी कि धनशोधन के मामलों में गिरफ्तारियों में संयम बरतें। शुरुआती चरण में ही गिरफ्तारी न करें। गंभीरता से जांच करने के बाद ही गिरफ्तारी का विचार करें और उसका आधार प्रस्तुत करें, नहीं तो अदालतों में उन्हें बेहतर नतीजे नहीं मिल पाएंगे। अतिरिक्त महाधिवक्ता की इस नसीहत की वजह समझी जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में ईडी ने धनशोधन से जुड़े मामलों में बहुत तेजी से कार्रवाइयां की हैं। थोड़े-थोड़े अंतराल पर उसकी छापेमारी चलती रहती है। यही वजह है कि करीब नौ वर्षों में उसने सवा पांच हजार से अधिक मामले दर्ज कर लिए। उनमें से ज्यादातर मामलों में गिरफ्तारियां भी हुईं। मगर दोषसिद्धि केवल चालीस मामलों में हो पाई है। यह भी छिपी बात नहीं है कि जांच एजंसियों की कार्रवाइयों के पीछे केंद्र सरकार का दबाव रहा है, जिसके चलते ज्यादातर छापेमारियां और गिरफ्तारियां विपक्षी दलों से जुड़े लोगों के खिलाफ हुई हैं। इसलिए इन कार्रवाइयों को लेकर सत्तापक्ष लगातार विपक्ष के निशाने पर रहा है। मगर अतिरिक्त महाधिवक्ता की चिंता यह है कि उन मामलों में अदालत के सामने उन्हें ही दलील पेश करनी पड़ती है और अक्सर मामले कमजोर होने पर उन्हें अदालत की फटकार भी सुननी पड़ी है। इसलिए उन्होंने ईडी अधिकारियों को सीख दी है कि वे केवल मौखिक बयानों के आधार पर गिरफ्तारी का आधार न बनाएं। यही बात सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले वर्ष एक मामले की सुनवाई के वक्त कही थी। मगर उस पर ईडी की दलील थी कि धनशोधन निवारण कानून की धारा पचास के तहत उसे मौखिक बयानों के आधार पर गिरफ्तारी का अधिकार प्राप्त है। मगर अतिरिक्त महाधिवक्ता ने अदालत से बाहर उसी दलील के उलट पाठ पढ़ाया है कि कई बार लोग गिरफ्तारी के डर से कुछ बातें कबूल कर लेते हैं, पर बाद में अदालत के सामने अपने बयान से मुकर जाते हैं। इसलिए मौखिक बयानों को आधार न बनाएं। दरअसल, भ्रष्टाचार रोकने के मकसद से धनशोधन निवारण कानून में बदलाव कर प्रवर्तन निदेशालय को काफी हद तक मुक्तहस्त बना दिया गया है। गिरफ्तारियों से संबंधित कानूनों को काफी लचीला बना दिया गया है। कई मामलों में ईडी को गिरफ्तारी के लिए इजाजत लेने या इत्तिला करने की जरूरत नहीं रह गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे व्यक्ति के मौलिक अधिकार का हनन माना था, मगर ईडी ने मौलिक अधिकारों के ऊपर अपने अधिकारों को ज्यादा तरजीह दी है। अतिरिक्त महाधिवक्ता के ताजा बयान से उम्मीद बनी है कि ईडी अपनी कार्रवाइयों में कुछ सतर्कता और कानूनी मूल्यों का ध्यान रखेगी, न कि केवल अपने अधिकारों का मनमानी उपयोग करेगी। मगर इसके साथ ही, यह भी देखने की बात होगी कि ईडी अपने को सरकारी दबाव से किस हद तक मुक्त कर पाती है।

कांटे को कांटे से ही निकालना बेहतर है...

अशोक मधुप

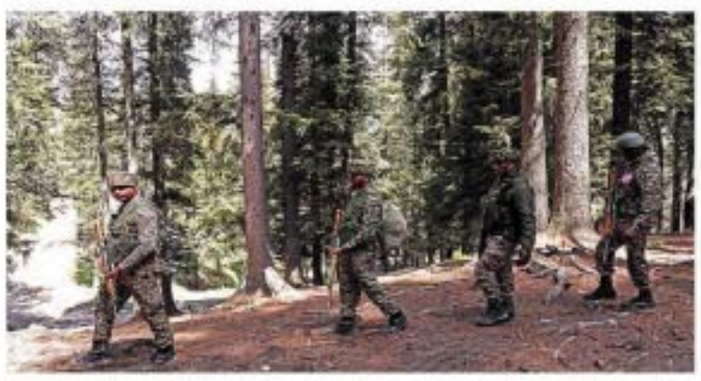

पुराना सिद्धांत है कि कांटा-कांटे से निकलता है तलवार या मिसाइल से नहीं। करना भी यही चाहिए। सिद्धांत के विपरीत जाने में ज्यादा नुकसान की ज्यादा संभावना रहती है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आज देश गुस्से में है। देश की जनता चाहती है कि हमला कराने वाले पाकिस्तान से भारत बदला ले। पाकिस्तान को तहस-नहस कर दे। पाकिस्तान पर हमलाकर उसे सबक सिखाए। सरकार भी ही चाहती है। इसके लिए उसने सेना को फ्रीहैंड दे दिया। ऐसे में देश की जनता को चाहिए कि सरकार और सेना को सोचने, समझने और तैयारी करने का अवसर दे। हमले की तैयारी फुलप्रूफ हो कि दुश्मन को ज्यादा से ज्यादा नुकसान हो। हमले में अपने देश, देश के जवानों और सेना की कम से कम क्षति हो। हमले का बदला भी ले लिया जाए। इतिहास गवाह है कि पहले भी हम अपना बहुत कम नुकसान कर दुश्मन का बड़ा नुकसान पहुंचा चुके हैं। इसके लिए पाकिस्तान में बने आंतकियों के लाचिंग पैड दो बार तबाह ही नहीं किए, वहां मौजूद आंतकियों का खात्मा भी दो बार पहले हो चुका है। भारतीय सेना के कमांडो ने 28 सितंबर 2016 की रात को गुलाम कश्मीर (पीओके) में दाखिल होकर आतंकी कैंपों में सर्जिकल स्ट्राइक की। यह कार्रवाई गुलाम कश्मीर (पीओके) के चार क्षेत्र भिंबर सेक्टर, तत्तापानी सेक्टर, लिपी सेक्टर व कैल सेक्टर में एक साथ हुई। पांच घंटे चली इस कार्रवाई में इन सेक्टरों में चल रहे छह आतंकी शिविर तबाह करने के साथ करीब 45 आतंकियों को मार गिराया गया। मिशन को अंजाम देकर सभी कमांडो सुरक्षित भारतीय क्षेत्र में लौट आए। अभियान में शामिल कमांडो की हेलमेट पर लगे विशेष कैमरों व ड्रोन की मदद से पूरे ऑपरेशन को कैद भी किया गया। 14 फरवरी 2019 को जम्मू और कश्मीर के पुलवामा में जोरदार विस्फोट हुआ था। निशाने पर था इत्र्याक के 78 वाहनों का काफिला। विस्फोट में 40 जवान शहीद हो गए थे। दो सप्ताह बाद 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना के मिराज-2000 विमानों ने रात के अंधेरे में नियंत्रण रेखा यानी एसओसी पार कर पाकिस्तान के पूर्वोत्तर इलाके खैबर पख्तूनख्वाह के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के ट्रेनिंग कैम्पों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। भारत के तत्कालीन विदेश सचिव विजय गोखले ने कहा कि इस स्ट्राइक में बड़ी संख्या में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी, उनको प्रशिक्षण देने वाले, संगठन के बड़े कमांडर और फिदायीन हमलों के लिए तैयार हो रहे जिहादियों को खत्म कर दिया गया। अगले दिन पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की। भारत ने दावा किया कि डॉग-फाइट में भारतीय वायुसेना के मिग-21 ने पाकिस्तानी वायुसेना के एफ-16 को मार गिराया। पाकिस्तान ने भी मिग-21 को मार गिराया और विंग कमांडर अभिनंदन को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, दबाव में दो दिन बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।बदला लेने की तैयारी ऐसी ही हो ।अपना कम से कम नुकसान हो और दुश्मन का बहुत ज्यादा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर पांच तरफ से हमला बोला। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घोषणा कर चुके है कि इसका बदला लिया जाएगा। दुश्मन को माफ नही किया जाएगा। उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। भारत सरकार सिंधु जल संधि, अटारी सीमा और वीजा संबंधी सेवाएं बंद करने का फैसला कर चुकी है। पूरे विश्व में पाकिस्तान का चरित्र उजागर करने में भारत का विदेश मंत्रालय लगा है। भारत दुनिया भर के देशों को इस बात के सबूत देने में लगा है कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी कबूल कर चुके है कि पाकिस्तान तीन दशक से आतंकवाद बढ़ाने में लगा है। एक इंटरव्यू में आसिफ ने कहा था, हम लगभग तीन दशकों से संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) और ब्रिटेन सहित पश्चिम के लिए आंतकवाद फैलाने का यह गंदा काम कर रहे हैं। इस सबके बीच अब सरकार ने पाकिस्तान पर सोशल स्ट्राइक कर हमला बोला है। भारत में पाकिस्तान के 16 यूट्यूब चैनल बंद किए जा चुके हैं। आसिफ के एक्स अकाउंट को बैन करने का यह कदम भारत द्वारा 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाने के ठीक एक दिन बाद उठाया गया। बैन किए गए पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों का सब्सक्राइबर बेस 63 मिलियन है।ये चैनल भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री फैला रहे थे। ब्लॉक किए गए कुछ प्रमुख पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों में डॉन न्यूज, एआरवाई न्यूज, बोल न्यूज, जियो न्यूज, समा टीवी और जीएनएन शामिल हैं। हाल के पहलगांव में हुए इस दुर्दांत हमले के बाद से भारत की जनता में आक्रोश है। साथ ही साथ पीएम मोदी और देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां एक मंच पर आकर पाकिस्तान को सबक सिखाने की बात कह रही है। इस हमले के कुछ ही दिन बाद पीएम मोदी ने बिहार की धरती मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के आकाओं और आतंकियों को ये खुले शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है, 'आतंकियों को ऐसी सजा मिलेगी जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होगी। सब बदला चाहते हैं किंतु जोश मे होश खोना ठीक नहीं। हमें ऐसा काम करना चाहिए कि हमारा नुकसान कम से कम हो और दुश्मन का ज्यादा से ज्यादा । उधर भारत सरकार ने इस घटना का बदला लेने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की सेना को फ्री हैंड देने की घोषणा का मतलब है कि अब भारतीय सेना आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होगी। अब उसे इसके लिए किसी राजनैतिक से अनुमति की जरूरत नही होगी। सरकार ने जहां आंतकवाद को प्रश्य देने वाले पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाने के लिए सरकार सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला लिया है। ऐसे ही और निर्णय भी हो सकतें हैं पाकिस्तान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर साइबर अटैक कराए जा सकते हैं। तो पाकिस्तान के विरूद्ध खड़े आतंकवादी समूहों की इसी तरह मदद की जा सकती है जैसे पाकिस्तान भारत के विरूद्ध करता है। सिंध और बलूचिस्तान के आजादी के आंदोलन में लगे सशस्त्र समूहों की मदद करके उन्हें मजबूत किया जा सकता है। अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार पाकिस्तान से नाराज है कि उसका भी फायदा उठाया जा सकता है। हालात इस तरह के पैदा किए जा सकते है।

हम खुद को जितना झकझोरेंगे, उतना ही बेहतर होते चले जाएंगे

प्रेरणा अवस्थी

इस चराचर जगत में ज्ञान और विषयों की कोई थाह नहीं है। ज्ञान के अपरिमित भंडार में प्रश्नों और उत्तरों के इतने संभाव्य युग्म विद्यमान हैं कि जिनकी कल्पना कर पाना भी नितांत कठिन है। मगर क्या कभी हममें से किसी ने भी स्वयं से एक प्रश्न करने की कोशिश की है कि 'मैं कौन हूं?' छोटा-सा यह प्रश्न हमें भीतर तक झकझोर देने की शक्ति रखता है। संसार में कितने ऐसे लोग होंगे जो पूरे आत्मविश्वास के साथ यह कह सकते हैं कि वे स्वयं से भली-भांति परिचित हैं। निश्चित-सी बात है कि ऐसे लोगों का फीसद न के बराबर ही होगा। कारण यह है कि आत्मपरिचय कोई सरल कार्य या प्रक्रिया नहीं है। उदाहरण के तौर पर, किसी पुस्तक को समझने और कंठस्थ करने के लिए हमें उसे अनेक बार पढ़ना पड़ता है। वास्तव में पुस्तक को पढ़ना एक यात्रा के समान है। यात्रा पूरी हो जाने पर यह आवश्यक नहीं कि हमें पथ के प्रत्येक बिंदु के बारे में ठीक वैसे ही याद रहे जैसा कि वह वास्तव में है। मगर यह भी एक सत्य है कि जब हम एक ही पथ पर यात्रा की पुनरावृत्ति अनेक बार करते हैं तो पथ और गंतव्य से अपेक्षाकृत अधिक गहराई के साथ परिचित होते चले जाते हैं। ठीक यही स्थिति स्वयं से परिचय की भी है। हम अपने अंतर्मन को जितनी बार झकझोरने का प्रयास करेंगे या दूसरे शब्दों में जितनी बार अपनी आंतरिक यात्रा पूरी करने का प्रयास करेंगे, उतना ही बेहतर ढंग से हम स्वयं से परिचित होते चले जाएंगे। स्वयं से परिचय कोई क्षण भर का कार्य नहीं है कि इधर शुरू किया और उधर खत्म हो गया। यह एक सतत, कठिन और गहन प्रक्रिया है। यह एक ऐसी यात्रा है, जिसका कोई अंत नहीं है। यात्रा आगे बढ़ती रहती है और हम धीरे-धीरे अपने अंतर्मन की परत-दर-परत खोलते हुए आत्मज्ञान के स्तर को ऊंचा उठाते जाते हैं। आत्मपरिचय के माध्यम से हम उस चेतना के साथ जुड़ने का प्रयास करते हैं जो हमारे अस्तित्व के प्रति उत्तरदायी है। खुद से परिचय का सीधा-सा अर्थ है कि हम चेतना के स्वरूप को जानने-समझने के लिए प्रयासरत हो चुके हैं। स्वयं से परिचय कर पाना इतना सरल भी नहीं होता। इसके लिए एक नितांत शांत मन की आवश्यकता होती है। जरा कल्पना करें कि किसी नदी में भयंकर बाढ़ आई हुई है और हम उस नदी में नौका विहार करना चाहते हैं। क्या ऐसी यात्रा हमें तनिक भी सुख दे सकती है? शायद नहीं, क्योंकि नदी का परिवेश के अनुकूल नहीं है। प्रतिकूल परिवेश में यात्रा हमें किसी उपलब्धि की ओर नहीं ले जा सकेगी, बल्कि ऐसी यात्रा खतरे से खाली नहीं रहेगी। ठीक वैसे ही अशांत मन कभी अंतर्यात्रा में भाग नहीं ले सकता, क्योंकि वह इसके लिए अक्षम और असमर्थ होता है। जिस प्रकार अशांत नदी में बाढ़ आई होती है, ठीक उसी प्रकार अशांत मन में विचारों का एक बवंडर विद्यमान होता है। यह विचार बाह्य जगत और विषयों की देन है। अनावश्यक और अनर्गल विचार स्वयं से परिचय की यात्रा में अवरोध का कार्य करते हैं। जीवन जितना आगे बढ़ता जाता है, इन विचारों की मात्रा उतनी ही तीव्रता से बढ़ती रहती है और परिणामस्वरूप मन में शांति का ह्रास उसी दर से होता रहता है। शांति के अभाव में स्वयं से परिचित हो पाना असंभव है। स्वयं से परिचित होने की एक आरंभिक प्रक्रिया के रूप में हम एकांत में खाली समय निकालकर चुपचाप बैठ सकते हैं, लेकिन ऐसा करते समय हमारे भीतर यह विचार नहीं आना चाहिए कि हम कहीं न कहीं समय को व्यर्थ गंवा रहे हैं। एकांत में शांति की गोद को पाकर हम जीवन की सारी उथल-पुथल, विचारों के उद्वेग, इच्छाओं के संजाल और प्रत्येक उस बाधा से दूर होने लगते हैं जो हमारा अपने आप से परिचय नहीं होने देती। इच्छाएं और महत्त्वाकांक्षाएं ही आत्मबोध के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा हैं। इस तरह से समझा जा सकता है कि मान लीजिए हम किसी नदी में यात्रा करने के लिए नौका पर सवार हो चुके हैं, लेकिन नौका तट के साथ किसी रस्सी द्वारा बांध दी गई है। वैचारिक उथल-पथल और महत्त्वाकांक्षाएं, जो बाहरी विषयों से उत्पन्न होती हैं, बिल्कुल एक रस्सी की भूमिका अदा करती हैं, जिसने हमारी अमूल्य यात्रा को रोक रखा है। एक बार अगर यह रस्सी खुल या टूट गई तो फिर नौका यात्रा पर निकल पड़ती है।

जो हममें है, वही हिमालय में है; खुद को लहर नहीं, सागर समझें

हम दुनिया के किसी पदार्थ का अवलोकन करें, तो इससे हमें पूरी दुनिया की बुनियादी जानकारी मिल सकती है। पूरी दुनिया एक-दूसरे से गुंथी दिखती है। हर पदार्थ समग्र दुनिया के भाग के रूप में दिखता है। हिंदू पौराणिक परिदृश्य में ईश्वर दुनिया से अलग नहीं है। ईश्वर दुनिया का निर्माण करता है और इस नाते दुनिया के कण-कण में ईश्वर की ही व्याप्ति है। ईश्वर द्वारा दुनिया के निर्माण की यह रचनात्मक प्रक्रिया लीला कहलाती है। इसके अनुसार, ब्रह्म एक महान जादूगर है, जो खुद को दुनिया में बदल लेता है और फिर अपनी जादुई रचनात्मक शक्ति के साथ यह करतब करता है, जो ऋग्वेद में माया का मूल अर्थ है। यह पूरी दुनिया, हम सब सागर की लहरों के समान हैं और जब तक हम यह समझते रहते हैं कि लहरों के रूप में हमारा स्वतंत्र अस्तित्व है, तब तक हम माया के चंगुल में फंसे रहते हैं। जब हम समझ लेते हैं कि हम अलग-अलग लहरें न होकर एक सागर ही हैं, तब बेचैनी खत्म हो जाती है। गहन ध्यान की स्थिति में होने वाले आध्यात्मिक अनुभव ही हमें महसूस कराते हैं कि हम एक ही हैं। इस ब्रह्मांड में सबकुछ जुड़ा हुआ है। सबकुछ एक ही है। भौतिक विज्ञान का क्वांटम सिद्धांत भी कुछ इसी तरह की बात करता है। क्वांटम सिद्धांत ब्रह्मांड में एक बुनियादी एकता को प्रकट करता है। यह दर्शाता है कि हम दुनिया को स्वतंत्र छोटी इकाईयों में विभाजित नहीं कर सकते। हिमालय के एक टुकड़े में जो विशेषताएं पाई जाती हैं, वही समग्र हिमालय में पाई जाती है। उसी तरह, अगर हम दुनिया के किसी एक पदार्थ का अवलोकन करें, तो इससे हमें पूरी दुनिया की बुनियादी जानकारी मिल सकती है। पूरी दुनिया एक-दूसरे से गुंथी दिखती है। हर पदार्थ समग्र दुनिया के एक भाग के रूप में दिखता है। ये संबंध दृष्टा से अलग नहीं होते। दृष्टा किसी भी प्रयोग की अंतिम व सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होता है। इन आध्यात्मिक अनुभवों और विज्ञान को अमूमन बिल्कुल विपरीत क्षेत्र माना जाता है। हालांकि, वैज्ञानिक प्रयोगों और आध्यात्मिक अनुभवों की प्रकृति बिल्कुल अलग होने के बावजूद दोनों में समानता हैरत में डालती है। भौतिक विज्ञानी एक विस्तृत टीम और अत्यधिक परिष्कृत तकनीक से जुड़े प्रयोग करते हैं, जबकि रहस्यवादी बगैर किसी मशीनरी के, ध्यान की गोपनीयता में, आत्मनिरीक्षण के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करते हैं। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिक प्रयोग किसी भी समय और किसी के द्वारा भी दोहराए जा सकते हैं, बशर्ते सही प्रक्रिया का पालन हो। आध्यात्मिक अनुभव कुछ खास व्यक्तियों को कुछ खास अवसरों पर ही हो पाते हैं। अगर इन दोनों का नजदीकी परीक्षण करें, तो पाएंगे कि दोनों प्रकार के अवलोकनों के बीच फर्क दृष्टिकोण में है, न कि उनकी विश्वसनीयता या जटिलता में। आधुनिक भौतिकी में जो कोई भी प्रयोग को दोहराना चाहता है, उसे कई वर्षों का प्रशिक्षण लेना पड़ता है। तभी वह अपने प्रयोग के जरिये प्रकृति से कोई खास सवाल पूछ सकेगा और उसका जवाब भी समझ सकेगा। इसी तरह, एक गहन रहस्यमय अनुभव के लिए एक अनुभवी गुरु के अधीन कई वर्षों तक प्रशिक्षण लेना पड़ता है। वैज्ञानिक प्रशिक्षण की तरह गुरु के अधीन वर्षों का प्रशिक्षण ही अकेले सफलता की गारंटी नहीं होता। जाहिर है कि भौतिकी के प्रयोग और आध्यात्मिक अनुभव में ज्यादा फर्क नहीं होता। (फ्रित्जॉफ काप्रा की किताब 'ताओ ऑफ फिजिक्स' से अनूदित) आम तौर पर लोग अध्यात्म और भौतिक विज्ञान को अलग-अलग समझते हैं। इस ब्रह्मांड में सबकुछ एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है।

फरक्या मप्र शिक्षक संघ के जिला संगठन मंत्री मनोनीत

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला शाखा मन्दसौर के जिला संगठन मंत्री पद पर श्री मोतीलाल फरक्या का मनोनयन किया गया।

श्री फरक्या की मनोनीत करते हुए संगठन ने आशा व्यक्त की कि उनके अनुभव का लाभ संगठन को जरूर मिलेगा। आपके मार्गदर्शन में संगठन और मजबूत होगा।शिक्षकों की जो भी समस्याएं लंबित है जैसे नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता एवं पुरानी पेंशन बहाली के लिये आप संघर्ष कर शिक्षकों के हित में प्रदेश स्तर पर इन मांगों को उठाकर समाधान के लिये प्रयासरत होंगे। संगठन की नींव अर्थात रीड की हड्डी सदस्यता अभियान में इस बार आपके मार्गदर्शन में सम्पूर्ण जिला में शत प्रतिशत सदस्यता होगी जिससे जिले का सदस्यता अभियान लक्ष्य हासिल होगा व संगठन मजबूत होगा। संगठन का ध्येय वाक्य राष्ट्र हित, शिक्षा हित, छात्र हित ओर शिक्षक हित को ध्यान में रखते हुए संगठन की रीति नीति से काम करेंगे। जिला अध्यक्ष विक्रम शर्मा, जिला सचिव भरतलाल पोपंडिया ओर जिला कोषाध्यक्ष कांतिलाल राठौर ने मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष क्षत्रवीरसिंह राठौर, प्रांतीय संगठन मंत्री हिम्मतसिंह जैन, प्रांतीय महामंत्री राकेश गुप्ता, प्रांतीय कोषाध्यक्ष विनोद कुमार पुनी, प्रांतीय शिक्षक सम्मान प्रकोष्ठ प्रमुख अखिलेश मेहता, प्रांतीय मीडिया सहप्रभारी रामचंद्र लोहार आप सभी के द्वारा संगठन हित में निर्णय लेकर मोतीलाल फरक्या को जिला संगठन मंत्री मनोनीत करने पर आभार व्यक्त किया है।

रात्रि में मंदसौर शहर में गोवंश तस्कर सक्रिय, पुलिस गश्त बढ़ाकर कठोर कार्यवाही की मांग-शिवसेना

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। लम्बे समय से शहरीय क्षेत्र से रात्रि में गुजरने वाले वाहनो के माध्यम से गोवंश तस्करी मे लिप्त कुछ असामाजिक तत्व चोरी छुपे उक्त कार्य में संलिप्त होकर गाय, बछड़े और बेलों को महाराष्ट्र, कानवन, धुलिया के कत्ल खानो तक पहुचाने मे लगु हुए है। उक्त बात एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से शिवसेना जिला प्रमुख कमलसिंह डोडीया द्वारा जिला पुलिस अधिक्षक से मांग की है कि रात्रि के समय बायपास पर कडी जॉच कर निकल रहे वाहनो कन्टेनर ट्रक जेसे बड़े वाहनों की जॉच की जाये। शहर मे कई गली मोहल्ले मे गो तस्कर सक्रिय है छोटे वाहनो से गोवंश को शहर से बहार ले जाया जा रहा है।शहर मे गो तस्करी में लिप्त अपराधियो को चिन्हीत कर रासुका के तहत कार्यवाही की जाये। जिला पुलिस अधिक्षक से निवेदन है कि जॉच् कर पकडे गये वाहनो पर राहसत की कार्यवाही की जायें।

आतंकियों की कश्मीर में बड़ी साजिश नाकाम, तलाशी अभियान के दौरान 5 आईईडी बरामद

श्रीनगर, 05 मई। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम हो गई है। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सुरनकोट के जंगलों में संयुक्त तलाशी अभियान चलाकर एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान सुरक्षा बलों ने 5 आईईडी बरामद किए, जिनमें 3 टिफिन बॉक्स और 2 स्टील की बाल्टियों में विस्फोटक सामग्री छिपाई गई थी। इसके अलावा एक 5 लीटर का गैस सिलेंडर, दो वायरलेस सेट, एक दूरबीन, दो ऊनी टोपी और तीन काली पैंट भी बरामद हुई हैं।

इस कार्रवाई के बाद खुफिया एजेंसियों ने इनपुट दिया है कि श्रीनगर सेंट्रल जेल और जम्मू की कोट बलवाल जेल में आतंकी हमला हो सकता है। इन जेलों में कई हाई-प्रोफाइल आतंकी और ओवर ग्राउंड वर्कर बंद हैं। इनपुट के आधार पर जेल परिसरों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। डीजी ने रविवार को श्रीनगर में सुरक्षा ग्रिड के अधिकारियों से मुलाकात कर हालात की समीक्षा की और सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए। सुरक्षाबलों का मानना है कि आतंकी किसी बड़े हमले की तैयारी में थे, जिसे वक्त रहते विफल कर दिया गया।

सेवानिवृत्त एवं पेंशनर्स नागरिक महासंघ ने आतंकी हमले के विरोध में किया प्रदर्शन

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। सेवानिवृत्त एवं पेंशनर्स नागरिक महासंघ जिला मन्दसौर इकाई द्वारा पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में शहर के गांधी चौराहे पर सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ देवेंद्र पौराणिक ने जोश भरने वाले गीतों से आतंकवादी और आतंक फैलाने वाले देश को चुनौती दी। श्रवण कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यदि आतंकवाद को खत्म करने में हमें कोई भूमिका मिलती है तो हम सभी तैयार हैं। सभा को अशोक नागदा, राजाराम तंवर, अनिल श्रोत्रिय, अजीजुल्लाह खां, दिनेशचंद्र खत्री और समाजसेवी सुनील बंसल ने भी संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवादियों ने जिस तरीके से मासूम और निर्दोष लोगों को उनका नाम पूछ-पूछ कर हत्या की उसकी जितनी निंदा की जाय, कम है। संगठन ऐसे कृत्य को माफ नहीं कर सकता जो हमारे देश को अस्थिर करने की कोशिश करता है। कार्यक्रम का संचालन रमेशचन्द्र चन्द्रे ने किया और सरकार द्वारा उठाये गए कदम की प्रशंसा की और कठोर कदम उठाकर आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का अनुरोध किया। प्रदर्शनकारियों में कोमल वानवार, विष्णुलाल भदानिया, संजय महाराणा, एस.के. जोशी, तनोजी गुप्ते, रमेशचंद्र भूरिया, प्रभुदयाल शर्मा, रमेशचंद्र सोनी, भूपेंद्र तिवारी, प्रकाशचंद्र जैन, सत्यनारायण श्रीवास्तव, श्यामलाल सोनी, अमृतलाल पांडे, लीला शंकर, प्रहलाद सोनी, कैलाशचंद्र उपाध्याय, कृष्णराव देशमुख, शकुंतला चौहान, कन्हैयालाल, महेश खत्री, हरीश रावल, दिनेश बघेरवाल, पवन कुमार जैन, अशोक कुमार सोनी भी उपस्थित थे।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

विधायक जैन के जन्मदिन पर शिवना शुद्धिकरण अभियान में श्रमदान करने उमड़ा जनसैलाब

मां शिवना को पुन: स्वच्छ, निर्मल और पावन बनाने का संकल्प लिया, नदी से 13 ट्राली जलकुंभी व गाद निकाली

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। जागरूक विधायक विपिन जैन के जन्मदिन 5 मई के आव्हान पर बड़ी संख्या में नागरिकों ने शिवना तट पर पहुंचकर मॉ शिवना को पुन: स्वच्छ, निर्मल और पावन बनाने का संकल्प लेते हुए श्रमदान किया। पांचवे दिन भी सामाजिक संगठनों के साथ एन.सी.सी. के कैडेटस भी अपनी यूनिफॉर्म में उपस्थित हुए और शिवना नदी से 13 ट्रॉली जलकुंभी और गाद निकाली गई।

मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने बताया कि शिवना नदी को स्वच्छ और निर्मल बनाने के उद्देश्य से विधायक विपिन जैन के नेतृत्व में शुरू हुए शुद्धिकरण अभियान के अंतर्गत विधायक श्री जैन ने सभी से आव्हान किया था कि उनके जन्मदिन पर बधाई देने हेतु पोस्टर, होर्डिंग व अन्य सार्वजनिक आयोजनों की बजाय प्रात: 2 घण्टे शिवना शुद्धिकरण अभियान में सहभागिता कर उन्हें आशीर्वाद दे। उनके इस संदेश को लेकर सोमवार को शिवना तट पर बड़ी संख्या में सामाजिक संगठन, आमजन एवं एनसीसी कैडेटस ने उपस्थित होकर श्रमदान किया व विधायक श्री जैन को जन्मदिन की बधाई व शुभकामनाएं दी। सभी ने संकल्प लिया कि एक दूसरे के सहयोग से शिवना जल्द ही शुद्ध होगी। सोमवार को चैतन्य आश्रम के संत श्री मणिमहेश चैतन्यजी महाराज, कथावाचक पं. विष्णु शर्मा, विधायक विपिन जैन, प्रकाश रातडिया, महेन्द्रसिंह गुर्जर, डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर, राजेश रघुवंशी, विकास दशोरा, आदित्य पाटील, डॉ. अजीत जैन, तरूण खिंची, कन्हैयालाल पाटीदार, अभिषेक पाटीदार, असगर मेव, जितेन्द्रसिंह भाटी, राजनारायण लाड, संजय सोनी, संजय नाहर, गोविन्द सुरा, दिलीप देवडा, मनोहर नाहटा, हेमन्त हिंगड, राजेश हिंगड, जितेन्द्र पाण्डेय, अनिल जैन, पंकज रैकवार, शुभम जैन, आसीफ छीपा, असगर मेव, निर्विकार रातडिया, कैलाश पाटोला, संजय जैन, अज्जू भण्डारी, भंवरलाल माली, ईश्वरलाल पाटीदार, विनोद पाटीदार, राजेन्द्र पाटीदार, राकेश पाटीदार, नमन खिंची, रमेश सिंगार, विक्रम धनोरा, राजेश खिंची, रघुवीरसिंह भाटी, गणेश माली, हरिओम धनगर, कारूलाल राठौर, श्यामलाल सोनावत, ललित पाटीदार, आमिन खान, शिवरमनसिंह पंवार, श्याम साल्वी, अजय सोनी, दशरथसिंह राठौर, पंकज जोशी, मूलचंद पाटीदार, शिवनारायण सोनावत, कमलेश शर्मा, शंकरलाल प्रजापत, दशरथ शर्मा, गगन माली, शैलेष माली, श्यामलाल धनगर, किशोर टेलर, मनोहर रत्नावत, अभिषेक तिवारी, ओमप्रकाश मित्तल, कालूराम झावा, पंकज जोशी, सत्यनारायण शर्मा, रमेश ब्रिजवानी, गोपाल बंजाना, योगेन्द्र गौड, योगेश जोशी, विजय आनन्द, विजयसिंह सिसौदिया, साबिर इलेक्ट्रीशियन, मिथुन कटारिया, सादिक गौरी, रमेश कुमावत, नन्दकिशोर गोयल, नीतिन सोनी, सौरभ जैन, राजेश चौधरी, एन.सी.सी. विजयसिह पुरावत व केडट्स की टीम, टीम एवीएस के मनीष भावसार, दशपुर जागृति मंच के सत्येन्द्रसिंह सोम, हरिशंकर शर्मा, रविन्द्र पाण्डेय, समाजसेवी विनोद मेहता, रविप्रतापसिंह बुंदेला, महेश दुबे, विशाल गोदावत, संजय दोशी, आनन्द भाटी, सेवानिवृत्त टीआई रामचन्द्र मालवीय, कन्हैयालाल रायसिंघानी, महिला नेत्री रफत पयामी, बबीतासिंह तोमर, इष्ठ भाचावत, अनिता भदौरिया, सोनाली जैन, कुमकुम सिसौदिया, पिंकी खारोल, कृष्णा प्रजापत, सृमिष्ठ शर्मा, अंशीका उपाध्याय, जन्मेजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 10 से

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण विभाग के दिशा-निर्देशानुसार 10 मई से 10 जून 2025 के मध्य 30 दिवस का ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मन्दसौर के जिला और विकासखण्ड मुख्यालयों पर होना है, शिविर के आयोजन के लिए आवश्यक बैठक पुलिस अधीक्षक महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 06 मई 2025 को शांम 6:00 बजे पुलिस कंट्रोल रूम के सभा कक्ष, महाराणा प्रताप चौराहे के पास रखी गई है, विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी मध्यप्रदेश खेल और युवा कल्याण विभाग के दिशा-निर्देशानुसार जिला मुख्यालय पर 04 खेलों एवं विकासखण्डस्तर 02 खेलों के अलावा खेल संघों के सहयोग से अन्य खेलों के प्रशिक्षण शिविर लगाना प्रस्तावित है, जिसमें जिले के समस्त खेल संगठनों के पदाधिकारियों, खेल प्रशिक्षकों, सीनियर खिलाडियों को अपने बहुमूल्य सुझावों के साथ सादर आमंत्रित किया जाता है।।

सैनिक स्कूल मंदसौर में हुआ पराक्रम 2025 वार्षिकोत्सव का आयोजन

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश के प्रथम नवीन सैनिक स्कूल के रूप में मान्यता प्राप्त मंदसौर शहर के सैनिक स्कूल मंदसौर में पराक्रम 2025 वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम अभिभावकों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम समस्त कैडेटस के द्वारा घोष के साथ परेड करते हुए मंच को सलामी दी गई। इसके पश्चात कैडेटस के द्वारा शौर्य व पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए ड्रामा जिसमें आर्मी ऑफिसर विष्णु प्रसाद श्रेष्ठ के रेस्क्यू ऑपरेशन को दर्शाया गया, अगली कडी में देशभक्ति से ओतप्रोत संगीतमय प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से कैडेटस ने उनके द्वारा प्रतिदिन प्रात: से रात्री तक निर्वहन करने वाली एक सदी हुई दिनचर्या को प्रदर्शित किया गया जो अभिभावकों के लिए भाव-विभोर कर देने वाला क्षण था।

सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान के प्रबंधक एवं भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के सहसचिव श्री सुनील शर्मा द्वारा अभिभावकों को संबोधित करते हुए विद्यालय से संबंधित आगामी योजनाओं से अवगत कराया गया। सैनिक स्कूल मंदसौर की प्राचार्य डॉ. सरोज प्रसाद द्वारा विद्यालय की उपलब्धियां एवं शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में अभिभावकों को बताया गया। सैनिक स्कूल मंदसौर के कमांडेंट कर्नल एस.एम सिंह द्वारा कैडेटस को किस प्रकार उन्हें अपनी छुट्टियों का उपयोग करना हैं, अपनी दिनचर्या निभानी हैं एवं आर्मी से संबंधित अनेक बातें साझा की गई। कार्यक्रम के पश्चात कैडेटस व अभिभावकों को वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के सचिव श्री अशोक पारिख, सैनिक स्कूल मंदसौर की उपप्राचार्य सुश्री लक्ष्मी राठौर, सैनिक स्कूल मंदसौर की टीम एवं समस्त कैडेटस उपस्थित रहें।

जैसा कर्म करेंगे वैसा फल मिलेगा-नागदा

नीमच, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। पुण्य कर्म करने से ही जीवन में सुख समृद्धि और शांति मिलती है। हम जैसे कर्म करते हैं। प्रकृति हमें वैसे ही फल देती है। इसलिए हम सदैव अच्छे कर्म करें तो हमारे जीवन का कल्याण हो सकता है।यह बात भागवत आचार्य पंडित नरेन्द्र नागदा ने कही।वे

नीमच जिले के छोटे से कस्बे ग्राम बिसलवास खुर्द निवासी उमाशंकर श्रीमती कमला नागदा , के पुत्र गुणवंत नागदा मेनारिया के सेवानिवृत्ति कार्यक्रमों की पावन उपलक्ष्य में आयोजित श्री मद् भागवत कथा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यज्ञ के बिना हमारा जीवन सफल नहीं होता है। यज्ञ जीवन में सुख शांति प्रदान करता है। पूर्वजों की निंदा नहीं करनी चाहिए चाहे वह राजनीतिक स्तर ही क्यों नहीं हो। एकाग्रता के बिना कथा श्रवण नहीं करना चाहिए नहीं तो इसका फल नहीं मिलता है। गीता उपदेश भाग्य से पहले और समय से अधिक कुछ नहीं मिलता है के ध्येय वाक्य पर चलना चाहिए जीवन में दु:ख कभी नहीं आएगा। श्रीमद्भागवत कथा में पंडित नरेंद्र नागदा ने दक्ष प्रजापति ,रुचि प्रजापति, आकृति, देवहूति ,प्रसूति देवकन्या ,प्रियव्रत, उत्तानपाद ,पृथ्वी वरहा अवतार , मरीचि, ऋषि कर्दम ऋषि आदि धार्मिक विषयों के वर्तमान परिपेक्ष के महत्व पर प्रकाश डाला।श्रीमद् भागवत कथा का सीधा प्रसारण सत्संग चिंतन युटुब पर किया जा रहा है।श्रीमद् भागवत कथा पोथी पूजन आरती में निम्बाहेडा के सेवानिवृत्ति प्रधानाचार्य व भारत विकास परिषद निंबाहेडा के अध्यक्ष मांगीलाल मेनारिया, रमेश चंद्र नागदा घसुंडी, मुरली नागदा कानाखेडा, भाजपा जिला महामंत्री ममता नागदा, सुगनाबाई नागदा, भारत मेनारिया अमेरिका, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा में आज मंगलवार को ऋषभदेव अवतार, जड़ भरत कथा ,अजामिल, इंद्रावर्तसुर वध ,भक्त प्रहलाद एवं नरसिंह अवतार जैसे विभिन्न धार्मिक विषयों के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा। कार्यक्रम की पावन श्रृंखला में आचार्य नरेंद्र देव नागदा के श्री मुख से श्रीमद्भागवत ज्ञान गंगा प्रतिदिन 4 मई से 10मई तक प्रतिदिन सुबह 11 से 4 बजें तक प्रवाहित होगी। श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा का शुभारंभ 4 मई को सुबह 7 बजे मंगल कलश यात्रा से हूआ। उक्त जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता शिक्षक दशरथ नागदा ने दी है।

मजदूर कल्याण समिति में प्रदेश उपाध्यक्ष की नियुक्तियां

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। मजदूर कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष करणसिंह परिहार ने समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती सीमा नागर, श्री सागर परिहार व महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती हंसा बोराना को नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष श्री परिहार ने यह नियुक्तियां समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री गोवर्धनलाल हाडा, प्रदेश महामंत्री श्री बापूलाल गुर्जर की अनुशंसा पर की गई है। प्रदेश अध्यक्ष श्री परिहार ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से आशा व्यक्त की कि वे मजदूर कल्याण समिति के नीति व नियमों के तहत पूरे देश में समिति का विस्तार करेंगे, मजदूरों के हित व कल्याण के प्रति सजग रहेंगे तथा उन्हें शासन से मिलने वाली योजनाओं का लाभ दिलायेंगे। तीनों प्रदेश उपाध्यक्षों की नियुक्ति पर समिति पदाधिकारियों एवं इष्ट मित्रों ने बधाई दी है।

एसी कोच में आरएसी यात्रियों को भी मिलेगा बिस्तर

जबलपुर, 05 मई। रेलवे ने रेल यात्रियों को एक बड़ी सौगात दी है। रेल यात्रा को और अधिक आरामदायक बनाने की दिशा में भारतीय रेलवे ने एक अहम कदम उठाया है। अब एसी कोचों में आरएसी (रिजर्वेशन अगेंस्ट केंसिलेशन) टिकट धारकों को भी पूरी बेडरोल (बिस्तर) सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। रेलवे बोर्ड के निर्णय के बाद पिछले दिनों से पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर में आरएसी यात्रियों को बेडरोल मिलने भी लगा है।

पहले जहां आरएसी यात्रियों को एक ही बेडरोल साझा करना पड़ता था, वहीं अब प्रत्येक यात्री को व्यक्तिगत रूप से एक पैकेट बंद बेडरोल मिलेगा, जिसमें दो बेडशीट, एक ब्लैंकेट, एक तकिया और एक तौलिया शामिल होंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, कोच अटेंडेंट यात्रियों के बर्थ पर पहुंचते ही उन्हें बेडरोल उपलब्ध कराएंगे, जिससे सफर के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा या विवाद की स्थिति नहीं बनेगी। इस नई व्यवस्था से आरएसी टिकट धारकों को भी कंफर्म टिकट धारकों जैसी सुविधा और सम्मान मिलेगा। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, आरएसी यात्री भी पूरा किराया चुकाते हैं, लेकिन उन्हें साइड लोअर बर्थ की आधी सीट पर यात्रा करनी पड़ती है। अब कम से कम उन्हें यात्रा के दौरान पूर्ण बेडरोल सुविधा मिल सकेगी, जिससे उनका अनुभव और बेहतर होगा। इस फैसले से उन लाखों यात्रियों को सीधा फायदा मिलेगा जो अक्सर आरएसी टिकट लेकर यात्रा करते हैं और जिन्हें अब तक बेडरोल जैसी मूलभूत सुविधाओं में भेदभाव का सामना करना पड़ता था। नई व्यवस्था यात्रियों को न केवल आरामदायक सफर का अनुभव देगी, बल्कि रेलवे की सेवा गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार लाएगी।

उत्तराखंड में बादल फटा, सोंग नदी में बाढ़, कैंपटी फॉल का मलबा सड़क पर गिरा

देहरादून, 05 मई। उत्तराखंड के देहरादून और मसूरी इलाके में रविवार देर रात मौसम ने अचानक रौद्र रूप धारण कर लिया। देहरादून के मालदेवता इलाके में बादल फटने से सोंग नदी में अचानक बाढ आ गई। नदी के तेज बहाव के कारण आस-पास के इलाकों में खतरे का माहौल बन गया। मसूरी के मशहूर टूरिस्ट स्पॉट कैंपटी फॉल का पानी भी उफान पर आ गया और वहां से आया मलबा सड़क पर फैल गया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

इस घटना से सबसे ज्यादा परेशानी टूरिस्ट्स को हुई जो रास्ते में फंस गए। राहत की बात ये रही कि रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर सभी फंसे हुए पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि, इस बीच लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। देहरादून और ऋषिकेश के आसपास भारी बारिश के चलते कुछ इलाकों में सड़कें जाम हो गईं। इसका असर चारधाम यात्रा पर भी देखने को मिला। ऋषिकेश से गुजरने वाले यात्रियों को कुछ घंटों तक इंतजार करना पड़ा, क्योंकि सड़कें कीचड़ और मलबे से भर गई थीं। हालांकि, स्थानीय प्रशासन ने तेजी से सफाई कराकर रास्तों को फिर से खोल दिया।

फिर बिगड़ सकता है मौसम- देहरादून मौसम विभाग ने सोमवार के लिए भी अलर्ट जारी किया है। विभाग का कहना है कि उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में आज गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना जताई गई है। इसके अलावा 40 से 50 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

टूरिस्ट्स को अलर्ट रहने की जरूरत- प्रशासन की ओर से स्थानीय लोगों और पर्यटकों को सलाह दी गई है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। कैंपटी फॉल और अन्य नदी किनारे वाले टूरिस्ट स्पॉट्स को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है ताकि किसी तरह की अनहोनी न हो। मौसम विभाग और प्रशासन दोनों की नजरें अब हालात पर टिकी हैं। राहत और बचाव कार्य लगातार चल रहे हैं और अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर नियंत्रण पाया जा चुका है, लेकिन सतर्कता अभी भी जरूरी है।

वालमार्ट एवं अमेजन जैसी विदेशी संस्थानों से छोटे व्यापारियों, खुदरा विक्रेताओं और स्थानीय उद्योगों को हो रहा है भारी नुकसान

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा 1 से 10 मई तक पूरे देश में वॉलमार्ट और अमेजन जैसे विदेशी व्यापारिक संस्थानों का विरोध दर्ज कराया जा रहा है। जिसके तहत विभिन्न कार्यशाला, वेबीनार व प्रदर्शन किये जा रहे है। इसी अभियान के तहत स्वदेशी जागरण मंच ने वेबीनार आयोजित किया जिसमें कैट, चेंबर ऑफ कॉमर्स, एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज जैसे कई भारतीय संगठन भी शामिल रहें। जिसमें विदेशी कम्पनियों से भारत में बढ रहे बेरोजगारी सहित अन्य मामलों में पर महत्वपूर्ण जानकारी अखिल भारतीय एवं क्षेत्रिय पदाधिकारियों द्वारा दी गई।

पदाधिकारियों ने कहा कि वेबीनार में कहा कि इन कंपनियों की भारत में बढती उपस्थिति से देश के छोटे व्यापारियों, खुदरा विक्रेताओं और स्थानीय उद्योगों को भारी नुकसान हो रहा है। विदेशी कंपनियों के भारत में विस्तार से छोटे और मझोले व्यापारियों को प्रतिस्पर्धा में कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है। ये कंपनियां भारतीय एफडीआई नियमों का उल्लंघन कर रही हैं, जिससे घरेलू बाजार में असमान प्रतिस्पर्धा उत्पन्न हो रही है। वॉलमार्ट के माध्यम से चीनी सामानों की भारत में बढती उपस्थिति से स्थानीय उत्पादकों को नुकसान हो रहा है। भारत सरकार से मांग की गई कि वॉलमार्ट-फ्लिपकार्ट डील को रद्द किया जाए और विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों पर कडी निगरानी रखी जाए। मंच ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उचित कदम नहीं उठाए, तो देशभर में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। वेबीनार में स्वदेशी जागरण मंच के विभाग संयोजक दिलीप व्यास, सहसंयोजक अंकुश पालीवाल, राजेश चौहान, जिला संयोजक दिलीप चौधरी, कनिष्क शर्मा, भरत ओझा, जितेन पाटीदार, विश्वास शर्मा, महेंद्र सिंह राजावत अन्य स्वदेशी कार्यकर्ताओं ने सम्मिलित होकर विदेशी कंपनियों पर अंकुश लगाने की बात कही।

सेवानिवृत्त एवं पेंशनर महासंघ की मासिक बैठक संपन्न

पिपलियामंडी, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। सेवानिवृत एवं पेंशनर महासंघ की मासिक बैठक कार्यालय गांधी चौराहा स्थित कार्यालय पर श्री श्यामलाल जी बोराना के

मुख्य आतिथ्य व श्री पंकज शर्मा तरुण की अध्यक्षता में दिनांक 5/05/25 को शाम चार बजे आयोजित की गयी जिसमें सर्व प्रथम अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन किया गया। संघ का प्रेरणा गीत श्री हरिसिंह यादव ने प्रस्तुत कर सभी सदस्यों द्वारा समवेत स्वर में गा कर बैठक का शुभारंभ किया गया। मासिक बैठक में सदस्यता अभियान में नवीन सदस्यों की सदस्यता का ब्यौरा उपाध्यक्ष श्री यादव जी ने प्रस्तुत किया एक सौ पचास सदस्यों की वार्षिक सदस्यता ली गई।जिला स्तर की त्रैमासिक बैठक की कार्यवाही से अवगत करवाया गया। उपस्थित सदस्यों द्वारा अपने अपने विचार व्यक्त किए गए।सभी उपस्थित सदस्यों ने अपनी अपनी प्रेरक रचनाएं एवं संस्मरण सुनाए गए। अंत में कश्मीर के पहलगांव में आतंकियों द्वारा निर्दोष छब्बीस सैलानियों की हत्या किए जाने की पाकिस्तान की निंदा की गई तथा सभी मृतकों को दो मिनट मौन रख कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। के सी टेलर, श्री बंशी लाल जी कारपेंटर, श्री कन्हैयालाल जी कारपेंटर, श्री बी एल सेनी फोजी, स्वल्पाहार के बाद अंत में उपाध्यक्ष श्री हरिसिंह जी यादव द्वारा सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

अभियुक्त रवि नायक को न्यायालय में हाजिर होने संबंधी उदघोषणा जारी

नीमच, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। थाना प्रभारी पुलिस थाना नीमच सिटी ने बताया, कि विशेष न्यायाधीश (एन.डी.पी.एस.) एक्टा नीमच श्री जितेन्द्र कुमार बाजोलिया द्वारा धारा 82 दण्ड. प्रक्रिया संहिता एवं बीएनएसएस 84 के तहत अभियुक्त रवि पिता रमेश नायक निवासी ग्राम डासिया को न्यायालय के समक्ष 2 जून 2025 को प्रात: 11 बजे हाजीर होने संबंधी उदघोषणा जारी की गई है।

थाना प्रभारी नीमच सिटी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया, कि अभियुक्त रवि पिता रमेश नायक के विरूद्ध अपराध क्रमांक 620/2024 धारा 8/15 एवं 29 (एन.डी.पी.एस.) एक्ट के अधिन दण्डनीय अपराध दर्ज है। उक्त अभियुक्त को उसके रिश्तेदार एवं संभावित स्थानों पर खोजने एवं काफी प्रयास करने पर भी नहीं मिल रहा है। उक्त अभियुक्त थाना नीमच सिटी क्षेत्र से फरार हो गया है एवं गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है। अत: विशेष न्यायाधीश (एन.डी.पी.एस.) एक्ट नीमच द्वारा उक्त उदघोषणा जारी कर अभियुक्त रवि पिता रमेश नायक से अपेक्षा की है, कि वह विशेष न्यायाधीश (एन.डी.पी.एस.) एक्ट नीमच के न्यायालय के समक्ष उक्त अपराध का उत्तर देने के लिए दिनांक 2.6.2025 को प्रात: 11 बजे न्यायालय नीमच के समक्ष हाजीर हो।

सप्त दिवसीय 31 कुण्डीय रुद्र महायज्ञ स्थगित

कुकड़ेश्वर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। महायज्ञ समिति जूनापानी महादेव समिति व शिवभक्तों व क्षेत्रवासीयो के सहयोग से कुकडेश्वर के समपिस्थ गांव जूनापानी में स्थित श्री ओंकारेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में विगत दिनांक 4 मई से आगामी दिनांक 10 मई तक सप्त दिवसिय 31 कुण्डीय रुद्र महायज्ञ एवं श्रीमद भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ व वृंदावन रासलीला महोत्सव का आयोजन प्रस्तावित था। कार्यक्रम के शुभारम्भ से पूर्व ही गत दिनांक 4 मई को बेमौसम बारिश, आंधी व तेज हवाओं के चलते कार्यक्रम स्थल पर पांडाल व यज्ञ शाला अस्त व्यत होने क्षति हुई है। जिसको लेकर आयोजन समिति द्वारा सर्वसहमति व धार्मिक आयोजन व आस्था के चलते वर्तमान में कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है। उपरोक्त आयोजन आगामी दिनांक 12 मई 2025 से पुन: 7 दिवस तक इसी तय स्थल श्री ओंकारेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में होगा। आयोजन समिति ने सभी शिवभक्तों से व क्षेत्रवासियो से अपील की है कि प्राकृतिक आपदा, बेमौसम बारिश, हवा व आधी से आयोजन स्थल को क्षति हुई है। इसी को लेकर आगामी कार्यक्रम पूर्व निर्धारित समय अनुसार आगामी दिनांक 12 मई से निरन्तर 7 दिवस तक संचालित होगा।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	10	2071	2200
उडद	2	4700	4700
सोयाबीन	4218	3600	4359
गैहु	8000	2411	2700
चना	388	5300	5590
मसुर	78	5800	6150
धनिया	56	5103	7141
लहसुन	18000	3000	9010
मैथी	686	3800	5881
मुंगफली	287	4100	4900
अलसी	1480	6971	7381
सरसो	154	5530	5930
तारामीरा	1	5281	5281
इसबगोल	110	7600	11200
प्याज	1533	300	900
कलोंजी	2	11200	11200
तुलसी बीज	3	12800	12800
डॉलर	16	6000	9200
तिल्ली	4	8401	8401
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	2	2753	4301
असालीया	12	6426	6820
चियाबीज	56	10501	13699

युद्ध के समय भारत देश के प्रत्येक नागरिक को अपने देश की रक्षा करने के लिए तैयार रहना होगा

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। पाकिस्तान की नापाक हरकतों की वजह से तथा पाकिस्तानी आतंकियों की रोकथाम को लेकर भारत पहलगाम में हुए

आतंकी हमले का बदला लेने तथा पाकिस्तान को धूल चटाने के लिये कभी भी युद्ध शुरू कर सकता है। युद्ध के समय भारत देश के प्रत्येक नागरिक को अपने देश की रक्षा करने के लिए तैयार रहना होगा। आवश्यकता पडने पर राष्ट्र सेवा के लिए तन मन धन से लगना होगा। साथ ही, भारत के प्रत्येक नागरिक को संविधान का पालन करना, देश की एकता और अखंडता बनाए रखना, और समाज में भाईचारे और सद्भाव को बढावा देना होगा और देश के प्रत्येक नागरीक को देश के उच्च आदर्शों को बनाये रखना होगा।

देश के नागरिकों को देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने और उसकी रक्षा करने की पूरी जिम्मेदारी होती है जो भारत के प्रत्येक नागरिक को निभाना होगा। देश के नागरिकों को विभिन्न क्षेत्रों मे आम लोगों के बीच भाईचारे और सद्भाव को बढावा देना होगा। नागरिकों को युद्ध के समय देश मे आंतरिक शांति बनाए रखना होगी। सरकारी निर्देशों का पूरा पालन करना व नागरिकों को देश के प्रति पुर्णत: निष्ठावान रहना चाहिए और देश के हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए। नागरिकों को युद्ध के समय अपने आप को नियंत्रित रखना चाहिए और धैर्य से काम करना चाहिए। नागरिकों को एक-दूसरे के साथ सहयोग करना चाहिए और एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। नागरिकों को व्यक्तिगत लाभों की बजाय राष्ट्र के सामूहिक हित को प्राथमिकता देनी चाहिए। युद्ध के समय देश की जनता का देश के लिए सैनिक और सरकार का मनोबल बढाने संसाधन और समर्थन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है वे सैनिकों को पत्र लिख सकते हैं, उन्हें प्रोत्साहित कर सकते हैं, और युद्ध के प्रयासों के प्रति जागरूकता बढा सकते हैं।

युद्ध के समय जनता सैनिकों और अन्य महत्वपूर्ण पदों के लिए स्वयंसेवक के रूप में या प्रत्यक्ष रूप से काम कर सकती है। वे चिकित्सा सेवा, संचार, या अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहायता कर सकते हैं। युद्ध के समय जनता का सहयोग देश की रक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जनता की आर्थिक, भौतिक, और नैतिक सहायता से सेना और सरकार को युद्ध जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

रविंद्र पाण्डेय

आदि गुरू शंकराचार्य, जीवन एवं दर्शन व्याख्यानमाला सम्पन्न

नीमच, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। आदि गुरू शंकराचार्य जी की जंयति प्रतिवर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती है इस अवसर पर व्याख्यानमाला पखवाडें का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखण्ड नीमच द्वारा एकात्म पर्व, शंकर जीवन दर्शन पर व्याख्यानमाला का आयोजन स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच में किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि एवं वक्ता धनवंतरी विद्यापीठ के महामण्डलेश्वर श्री सुरेशानंद सरस्वती जी ने आचार्य शंकर के चित्र पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा महामण्डलेश्वर का शॉल श्री फल से सम्मान किया गया। जिला समन्वयक श्री वीरेन्द्र सिंह ठाकुर

ने स्वागत उदबोधन देकर कार्यकम की रूपरेखा एवं उदेश्य को बताया। महामण्डलेश्वर जी ने आचार्य शंकर के अद्वैत मत के संदर्भ में आचार्य शंकर के जीवन वृत्त एवं वर्तमान जीवन में सनातन धर्म को अपनाने कर अपनी संस्कृति सभ्यता को विश्व में प्रथम स्थान पर रख जीवन को सफल बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया उन्होने कहा कि हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार में सबसे बडी भूमिका आदि शंकराचार्य जी की मानी जाती है। आदि शंकराचार्य जी ने सनातन परंपरा को एक सूत्र से जोडकर रखने के लिए देश के चार धामों में मठों की स्थापना की, कहते हैं कि महज 8 साल की उम्र में इन्हें वेदों का ज्ञान प्राप्त हो गया था एवं शंकराचार्य जी ने 32 वर्ष की आयु में समाधि ली। गुरु शंकराचार्य भारतीय गुरु और दार्शनिक थे, उनका जन्म केरल के कालपी नामक स्थान पर हुआ था। आद्य शंकराचार्य को भगवान शिव अवतार के रूप मे माना जाता है। आदि गुरु शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत के दर्शन का विस्तार किया। उन्होंने उपनिषदों, भगवद गीता और ब्रह्मसूत्रों के प्राथमिक सिद्धांतों जैसे हिंदू धर्मग्रंथों की व्याख्या एवं पुनर्व्याख्या की। आयोजन में सीएमसएलडीपी परामर्शदाता, विद्यार्थी, समाजसेवी, प्रस्फुटन व नवांकुर संस्था सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता, सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सहभगिता कर कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपना योगदान दिया। संचालन लेखापाल श्री पवन कुमरावत ने किया एवं आभार परामर्शदाता पुनिता मेहरा ने माना।

कलेक्टर द्वारा सभी तहसीलों में ग्राम स्तरीय अमले से संवाद एवं दिशा निर्देशों संबंधी बैठकें प्रारम्भ

कलेक्टर ने रामपुरा व मनासा में सभी विभागों के ग्राम स्तरीय अमले से किया संवाद

नीमच/मनासा, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन नीमच द्वारा जिले में सुशासन एवं शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के अभियान की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा सभी तहसीलों में ग्राम स्तरीय अमले से संवाद एवं दिशा निर्देशों संबंधी बैठको का दौर शुरू कर दिया गया है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को रामपुरा के नवोदय विद्यालय एवं मनासा के सीएम राईज स्कूल में सभी विभागों के क्षेत्र के ग्राम स्तरीय अमले की बैठक में वन टू वन संवाद किया। आगामी दिनों में कलेक्टर शेष अन्य तहसीलों में भी ग्राम स्तरीय अमले की बैठक कर संवाद करेंगे। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एसडीएम मनासा श्री पवन बारिया, मुख्य चिकित्साा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने कहा कि तीन दिवसीय विशेष ई-केवायसी अभियान में सभी ने अच्छा कार्य किया है। सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों के निराकरण में नीमच जिला पिछले 6 माह से निरंतर प्रदेश में टाप 5 जिलों में शामिल रहा है। राजस्व विभाग के प्रकरणों के निराकरण एवं सभी योजनाओं में नीमच जिला प्रदेश में टॉप 3 जिलो में शामिल है।

राजस्व अमले से अपेक्षाएं:- कलेक्टर ने राजस्व विभाग के ग्राम स्तरीय अमले से संवाद करते हुए कहा, कि फार्मर रजिस्ट्री में अच्छा कार्य हुआ है। परंतु सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का पंजीयन करना है। आधार, आर.ओ.आर. लिंकेज का शतप्रतिशत कार्य पूर्ण करना है। उन्होने निर्देश दिए, कि नक्शा तरमीम का कार्य भी 20 मई तक पूर्ण करवाना है। शामिलात खाते में दर्ज शासकीय भूमि का नक्शा तरमीम का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करवाएं। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में नीमच जिला प्रदेश में दूसरे नम्बर पर है, सीमाकंन, बटवारा, अभिलेख दुरूस्ती का कार्य भी सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरा करवाए। लोकसेवा गारंटी के तहत समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें।

ग्रामीण विकास के मैदानी अमले से अपेक्षाएं:- बैठक में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने पंचायत सचिव रोजगार सहायकों और ग्राम स्तरीय कर्मचारियों से संवाद करते हुए कहा, कि समग्र ई-केवायसी का 63 प्रतिशत कार्य जिले में पूरा हो गया है। आगामी 20 मई तक शतप्रतिशत हितग्राहियों का ई-केवायसी का कार्य पूर्ण करे। साथ ही डूप्लीकेट समग्र, मृत व्यक्तियों के समग्र एवं पलायन कर चुके हितग्राहियों के समग्र एवं अपात्रों के समग्र को डिलीट भी करे। खाद्य, ई-केवायसी का कार्य भी आगामी 7 दिवस में पूर्ण करे। अपात्र उपभोक्ताओं के नाम हटाने की कार्यवाही करने के साथ ही पात्र उपभोक्ताओं के समग्र, खाद्य, ई-केवायसी करवाए। इसके लिए गांव-गांव जाकर शिविर लगाए।

प्रधानमंत्री आवास के कार्य पूर्ण करवाएं- कलेक्टर श्री चंद्रा ने निर्देश दिए, कि स्वीकृत सभी प्रधानमंत्री आवास निर्माण के कार्य प्रारंभ करवाकर, कार्य पूर्ण करवाएं। जिन आवासों का निर्माण कार्य हो रहा है उनके मस्टर जारी करें।

जल संरचनाओं के सभी कार्य 15 जून तक पूर्ण करवाएं -: बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्वीकृत जल संरचनाओं के सभी निर्माण कार्य 15 जून तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करवाने के निर्देश पंचायत सचिव, रोजगार सहायकों को दिए है। कलेक्टर ने पूर्व में स्वीकृत सभी कार्य भी 15 जून तक पूरा करवाने के निर्देश देते हुए कुआ रिचार्ज और खेत तालाब निर्माण के सभी कार्यो को पूर्ण करवाकर उनका जियो टेगिंग 15 जून तक करवाने के निर्देश दिए।

कुओ, बावडियों की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई:- बैठक में कलेक्टर ने सभी पंचायत सचिवों, रोजगार सहायकों को निर्देश दिए, कि वे कुओ, बावडियों, सार्वजनिक तालाबों की साफ-सफाई, जनसहयोग से करवाकर, उनकी रंगाई, पुताई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य करवाएं। सरपंचों, पंचों के सहयोग से श्रमदान करवाकर उक्तउ कार्य पूर्ण करवाए।

पौधारोपण की पूर्ण तैयारियॉं करें- बैठक में कलेक्टर ने सभी पंचायत सचिवों और रोजगार सहायको को निर्देश दिए, कि वे 15 जून से पूर्व पौधारोपण की सभी आवश्यक तैयारियां कर लें पौधा रोपण के लिए गढढे तैयार करवाये।

तालाबों से मिट्टी निकालने का कार्य करवाए:- कलेक्टर ने सभी पंचायतों के सचिवों, रोजगार सहायकों को निर्देश दिए, कि वे गांव के तालाबों से जनसहयोग से मिट्टी निकालने का कार्य सर्वोच्चक प्राथमिकता से प्रारंभ करवाकर पूर्ण करवाएं। इससे किसानों को उपजाऊ मिट्टी अपने खेतों के लिए उपलब्ध होगी। साथ ही तालाबों का गहरीकरण होकर, उनकी जल भराव क्षमता भी बढेगी, गांव का जल स्तार भी बढेगा।

आंगनवाडी समय पर खुले-दर्ज सभी बच्चें आंगनवाडी आए- बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने सभी आंगनवाडी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को निर्देश दिए, कि सभी आंगनवाडी केंद्र निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से खुले, दर्ज सभी बच्चो को घर-घर से बुलाकर आंगनवाडी लाए और उन्हें सुबह नाश्तो व दोपहर में गर्म पका हुआ भोजन अनिवार्य रूप उपलब्ध करवाएं।

शतप्रतिशत बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण हो- बैठक में कलेक्टर ने आशा, ए.एन.एम. एवं स्वास्थ्य अमले को निर्देश दिए, कि शतप्रतिशत बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण करवाएं। सभी गर्भवती महिलाओं का पंजीयन हो और निर्धारित सभी चारों ए.एन.सी. समय पर हो।

आंगनवाडी केंद्रों की मरम्मरत करवाए- कलेक्टर ने सभी पंचायत सचिवों एवं नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देश दिए, कि वे अपने क्षेत्र के आंगनवाडी केंद्र भवनों का निरीक्षण करे और यदि किसी भवन में मरम्मत की आवश्यकता है, तो उनकी उपलब्ध निधि से मरम्मत करवाए। यदि किसी गांव या शहरी क्षेत्र में नवीन आंगनवाडी भवन की आवश्यकता हो, तो उसका भी प्रस्ताव तैयार कर भिजवाए। बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने निर्देश दिए, कि अधिकारी, कर्मचारियों का आमजनों के प्रति अच्छा व्यवहार हो, सभी ऑनलाईन सेवाएं समय पर मिले, जनसुनवाई समय पर हो, राशन दुकान समय पर खुले, आंगनवाडी समय पर खुले, नामांतरण, बंटवारा व पंचायतों से संबंधित विभिन्न सेवाएं आमजनों को तत्परतापूर्वक समय पर उपलब्ध हो। शासन की योजनाओं के लाभ से संबंधित कोई भी आवेदन सात दिवस से अधिक लंबित ना रहे। हितग्राहियों को समय पर हितलाभ मिले। बैठक में सभी आंगनवाडी कार्यकर्ता, सहायिका, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, पटवारी, ए.एन.एम., आशा कार्यकर्ता सहित सभी विभागों के ग्राम स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

पार्षद श्रीमती गोस्वामी के निवेदन पर बिना मुण्डेर की बावड़ी पर कलेक्टर के निर्देश पर बाउण्ड्रीवाल बनी

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। वार्ड नं. 26 की जागरूक पार्षद श्रीमती संगीता शैलेन्द्र गिरी गोस्वामी द्वारा विगत दिनों जिले के बूढा टकरावद रोड़ पर बिना मुंडेर के कुएं में चार पहिया वाहन गिरने के कारण हुई गंभीर घटना के मद्देनजर वार्ड नं. 26 में बावड़ी कला में सर्वे नं. 21 शासकीय बावडी की मुण्डेर बनाने हेतु कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग को पत्र लिखा था। जिस पर कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने तत्काल संज्ञान लेकर उसकी बाउण्ड्रीवाल बनाने के आदेश देकर नगरपालिका के माध्यम से बाउण्ड्रीवाल बनवाई।

पार्षद श्रीमती संगीता शैलेन्द्र गोस्वामी ने बताया कि वार्ड नं. 26 बावडीकला सर्वे नं. 21 शासकीय बावडी की मुण्डेर नहीं थी। इसी के पास में सर्वे नं. 33 पर आने जाने के लिये रास्ता है। जिस पर नागरिकों का आना जाना लगा रहता है। इस बावडी के मुण्डेर नहीं होने से कभी भी दुर्घटना घट सकती थी। श्रीमती गोस्वामी ने इस गंभीर मसले को लेकर कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग को जनसुनवाई में एक पत्र दिया। जिसे कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने गंभीरता से लेते हुए नगरपालिका को मुण्डेर बनाने के निर्देश दिये और जिस पर नगरपालिका अमले ने 5 मई को उक्त बावड़ी पर मुण्डेर बना दी जिससे यहां से गुजरने वाले राहगिरों को राहत मिली जिससे भविष्य में दुर्घटना नहीं होगी। पार्षद श्रीमती संगीता शैलेन्द्रगिरी गोस्वामी ने तत्काल कार्यवाही कर मुण्डेर बनवाने पर कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, लोक निर्माण सभापति निर्मला नरेश चंदवानी, सीएमओ श्री सुधीर कुमार, टाइम कीपर पंकज साठी का आभार व्यक्त किया है।

मंदसौर में होर्डिंग्स माफिया का लालच ना ले ले किसी निर्दोष नागरिक की जान..!

नगर पालिका की लापरवाही से असुरक्षित होर्डिंग्स की भरमार, जिला कलेक्टर निष्पक्षता से असुरक्षित होर्डिंग्स पर करें कार्रवाई

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर में अवैध होर्डिंग्स का अंधाधुंध विस्तार नागरिकों की सुरक्षा और नगर पालिका के राजस्व दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। शहर के प्रमुख स्थानों गांधी चौराहा, बस स्टैंड, गौशाला मार्केट, महाराणा प्रताप चौराहा और रेलवे स्टेशन पर कई ऐसे विशालकाय होर्डिंग्स लगे हुए हैं, जिनकी न तो अनुमति ली गई है और न ही सुरक्षा मानकों का पालन किया गया है। यह किसी भी दिन मुंबई में हुए हादसे को दोहराते हुए निर्दोष नागरिकों की जान लेने का कारण बन सकते हैं। नगर पालिका की बेफिक्री और बेशर्मी को देखते हुए जिला कलेक्टर को इस मामले में निष्पक्षता से कार्रवाई करना चाहिए।

यह बात कांग्रेस पार्षद श्री तरुण शर्मा ने कही। श्री शर्मा ने प्रेस वक्तव्य में कहा कि शहर में लगे अवैध होर्डिंग्स से नगर पालिका को करोड़ो रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। वहीं, इन असुरक्षित संरचनाओं के कारण आम नागरिकों की जान पर भी संकट मंडरा रहा है। देश में पहले भी होर्डिंग गिरने से हुई दुर्घटनाएं हम सबके सामने हैं, और मुंबई का कुछ महीनों पूर्व का उदाहरण तो भयावह है। फिर भी मंदसौर में प्रशासनिक उदासीनता बनी हुई है। सोमवार को एक बड़ा होर्डिंग गिर गया, यह तो गनीमत थी कि कोई जनहानि नहीं हुई, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। श्री शर्मा ने कहा कि सबसे अधिक चिंताजनक पहलू यह है कि नगर पालिका और जिम्मेदार अधिकारियों की इस विषय पर रहस्यमयी चुप्पी प्रशासन की भूमिका पर सवाल खडे कर रही है। यह स्थिति नगर पालिका व संबंधित विभागों की संभावित मिलीभगत की ओर भी संकेत करती है। ऐसे में आवश्यक है कि जिला कलेक्टर स्वयं संज्ञान लेकर इस मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई करे। शहर की पुरानी इमारतों पर असुरक्षित तरीके से खडे किए गए बड़े बड़े होर्डिंग्स किसी भी दिन बडे हादसे को जन्म दे सकते हैं। श्री शर्मा ने मांग की है कि पूरे शहर में लगे सभी होर्डिंग्स की विधिक और तकनीकी जांच की जाए। अवैध व असुरक्षित होर्डिंग्स को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। होर्डिंग्स से संबंधित नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। नगर पालिका द्वारा सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण जारी किया जाए कि उसके द्वारा कहां, कितने और किस साइज के होर्डिंग्स की अनुमति सार्वजानिक और निजी स्थानों की दी गई है। श्री शर्मा ने कहा कि नगरपालिका को यह नहीं भूलना चाहिए कि सार्वजनिक सुरक्षा और पारदर्शिता उसकी प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल हैं। मंदसौर की जनता अब इस विषय पर ठोस और पारदर्शी कार्रवाई की अपेक्षा कर रही है।

सभी नगरीय क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाए-चंद्रा

नीमच, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी नगरीय क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सभी नगरीय निकायों के सीएमओ को दिए है। इस संबंध में जारी निर्देशों में कहा गया है, कि सभी नगरीय निकाय अपने नगरीय क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाकर, विशेष साफ-सफाई करवाए। साथ ही नगर के प्रवेश द्वार से लगाकर निकासी की मुख्ये सडकों के दोनो ओर तथा सभी वार्डो की साफ-सफाई करवाकर पालीथीन मुक्तकरें। कलेक्टर ने नगरीय निकायों की शासन की विभिन्न योजनाओं में समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ण करने, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों में समय-सीमा में सेंवाए प्रदान करने तथा प्रति मंगलवार जनसुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर जनसमस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए है।

भारत निर्वाचन आयोग जल्द ही हितधारकों के लिए एक एकल बिंदु ऐप लॉन्च करेगा

नीमच, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। एक प्रमुख पहल के तहत, भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचकों और इनके अन्य हितधारकों जैसे चुनाव पदधारियों, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के लिए एक नया उपयोगकर्ता अनुकूल डिजिटल इंटरफ़ेस विकसित कर रहा है। यह नया वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म, ईसीआई- नेट, आयोग के 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशनों को एकीकृत करेगा और अनुकूल (reorient) बनाएगा। ईसीआई-नेट में एक सुंदर यूजर इंटरफेस (यूआई) और एक सरलीकृत यूजर एक्सपीरियंस (यूएक्स) होगा, जो चुनाव- संबंधित सभी गतिविधियों के लिए एक एकल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा।

यह प्लेटफ़ॉर्म उपयोगकर्ताओं को कई ऐप डाउनलोड करने और नेविगेट करने तथा अलग-अलग लॉगिन याद रखने के बोझ को कम करने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है। इस प्लेटफॉर्म की परिकल्पना भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में मार्च 2025 में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान की थी। ईसीआई-नेट उपयोगकर्ताओं को अपने डेस्कटॉप या स्मार्टफ़ोन पर सुसंगत चुनावी डेटा तक पहुँचने में भी सक्षम बनाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि डेटा यथासंभव सटीक है, ईसीआई-नेट पर डेटा केवल आयोग के अधिकृत पदधारी द्वारा दर्ज किया जाएगा। संबंधित पदधारी द्वारा की गई प्रविष्टि से यह सुनिश्चित होगा कि हितधारकों को उपलब्ध कराया गया डेटा यथासंभव सटीक है। हालांकि, किसी भी विवाद के मामले में, सांविधिक फॉर्मों में विधिवत भरा गया प्राथमिक डेटा ही मान्य होगा। ईसीआई-नेट में वोटर हेल्पलाइन ऐप, वोटर टर्नआउट ऐप, सी-विजिल, सुविधा 2.0, ईएसएमएस, सक्षम और केवाईसी ऐप जैसे मौजूदा ऐप शामिल होंगे, जिन्हें कुल मिलाकर 5.5 करोड से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है (ऐप्स की पूरी सूची संलग्न है)। ईसीआई-नेट से लगभग 100 करोड़ निर्वाचकों और सम्पूर्ण चुनावी तंत्र को फायदा मिलने की उम्मीद है, जिसमें देश भर के 10.5 लाख से ज्यादा बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त लगभग 15 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), लगभग 45 लाख मतदान पदधारी, 15,597 सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ), 4,123 ईआरओ और 767 ज़िला चुनाव अधिकारी (डीईओ) शामिल हैं। ईसीआई-नेट पहले ही अपने विकास के उन्नत चरण में पहुंच चुका है और इसकी सुचारू कार्यक्षमता, उपयोग में आसानी और मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने के लिए कठोर परीक्षण किए जा रहे हैं। इसे सभी राज्यों/संघ राज्य-क्षेत्रों के 36 सीईओ, 767 डीईओ और उनके राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 4,123 ईआरओ को शामिल करके एक विस्तृत परामर्शी प्रयोग करने के साथ-साथ समय-समय पर आयोग द्वारा जारी चुनावी ढांचे, अनुदेशों और पुस्तिकाओं के 9,000 पृष्ठों वाले 76 प्रकाशनों की समीक्षा करने के बाद विकसित किया जा रहा है। ईसीआई-नेट के माध्यम से उपलब्ध कराए गए आंकड़े लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 तथा निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 और आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों द्वारा स्थापित कानूनी ढांचों के सख्त दायरे के भीतर होंगे तथा इसके अनुरूप होंगे।

श्री महाकाल मंदिर के शंखद्धार... पेज 1 से जारी

कर्मचारी जयदीप कडापे ने मंदिर के कंट्रोल रूम को आग की सूचना दी और बताया कि एमसीबी में शार्ट सर्किट के साथ यहां लगी बैटरी एवं मशीनों ने आग पकड ली है। सूचना पर तत्काल ही फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। अगले आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया गया था। इस स्थल का श्रद्धालुओं से किसी भी प्रकार का लेना देना नहीं था। आग के कारण से जरूर कुछ देर के लिए श्रद्धालुओं में भय की स्थिति बनी थी। घटना के समय एहतियात के तौर पर तत्काल ही पूरे प्रांगण को खाली करवा लिया गया था जहां से फायर ब्रिगेड ने आकर आग पर काबू पा लिया। घटना के दौरान भी मंदिर में नीचे श्रद्धालुओं के दर्शन का क्रम जारी रहा। गेट नं 1 से कुछ देर के लिए एहतियातन प्रवेश निषेध किया गया था। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। श्रद्धालु नवनीत पटेल देवास ने बताया कि

शंख द्वार के पास के गलियारे से निकल कर जा रहे थे उसी दौरान धमाके की आवाज उपर से आई थी उपर की और देखने पर वहां से आग और काला धुंआ ही निकलता दिखाई दे रहा था, लपटें उठ रही थी। ये देख अन्य श्रद्धालु घबराकर इधर उधर भागने लगे थे और प्रशासनिक कार्यालय के समीप जाकर खडे हो गए थे। अफरा-तफरी के बीच एहतियातन गेट नंबर - 1 से श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था रोक दी गई। इस दौरान करीब एक घंटे तक श्रद्धालुओं को परेशान होना पड़ा। फायर ब्रिगेड के आग पर काबू पाते ही दर्शन व्यवस्था पूर्ववत शुरू कर दी गई थी। फायर ब्रिगेड के आग पर काबू पाने से पूर्व ही मंदिर के इस क्षेत्र की विद्युत सप्लाय पूरी तरह से बंद कर दी गई थी।

उज्जैन वन विभाग की टीम रिमांड... पेज 1 से जारी

हुई तेंदुआ की पुरी खाल ट्राफी के रूप में बनी हुई जब्त की गई।आरोपी शैलेन्द्र ने दोनों ट्राफी को बेचने को लेकर सोश्यल मिडिया पर संपर्क के लिए मैसेज डाला था वहीं से नागपुर एसटीएफ उसके पीछे लगी हुई थी। आरोपियों को दबोचने के बाद नागपुर एसटीएफ ने वन विभाग उज्जैन से संपर्क करते हुए पूरा मामला और आरोपियों को सिपूर्द करते हुए वे यहां से रवाना हो गए थे। उज्जैन वन विभाग ने मामले में प्रकरण दर्ज करने के साथ ही दोनों आरोपियों को रविवार रात को थाना नीलगंगा के लाकअप में रखा था। सोमवार को वन विभाग उज्जैन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आरोपियों को मेडिकल करवाने के साथ ही न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी अनुराग शर्मा के न्यायालय में दोनों आरोपियों को पेश किया गया। न्यायालय में वन विभाग की और से आरोपियों से अधिक जानकारी जिसमें तेंदुआ का शिकार कहां किया गया और इसकी ट्राफी कहां बनवाई गई जैसे सवालों के जवाब के लिए दोनों आरोपियों के रिमांड तक की मांग नहीं की गई। न्यायालय ने दोनों ही आरोपियों को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेजने के आदेश दिए हैं। रेंजर कैलाश ठाकुर के अनुसार दोनों आरोपियों को न्यायालय के आदेश अनुसार जेल दाखिल किया गया है।

शहर में फिर चैन स्नेचिंग... पेज 1 से जारी

पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। मौका ए वारदात के आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले। हालांकि बदमाशों का कोई पता नहीं चल पाया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

जल गंगा संवर्धन पर चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य नदी, तालाब, पुरानी बावडी सार्वजनिक कुआ की स्वच्छता और जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह अभियान जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया जिसमें सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना और लोगों को जल संसाधनों के संरक्षण में शामिल करना। यह अभियान 30 मार्च से 30 जुन तक चलाया जायेगा। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद ब्लॉक भानपुरा में जल गंगासंवर्धन एवं पानी बचाओ अभियान को लेकर चित्रकला प्रतियोगिताआयोजित की गई श्र जिसमें सीएमडीडीपी छात्र छात्राओं द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता में गंगा संवर्धन पानी बचाओ एवं प्रदूषण मुक्ति को लेकरचित्रबनाएं। एवं चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से जल गंगा संवर्द्धन हेतु चित्र बना कर सन्देश दिया गया।

जल एक सीमित और बहुमूल्य संसाधन है जो पृथ्वी पर सभी जीवन को बनाए रखता है। बढ़ती वैश्विक आबादी और मौसम के पैटर्न पर जलवायु परिवर्तन के चल रहे प्रभाव के साथ, पानी की कमी एक बढ़ती हुई चिंता बन गई है। इस चुनौती के जवाब में, जल संरक्षण भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीति के रूप में उभरा है। जल गंगा संवर्धन अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य नदी, तालाब, पुरानी बावड़ी सार्वजनिक कुआ की स्वच्छता और संरक्षण को बढ़ावा देना है। ईसी कड़ी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र. शासन ने सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना और लोगों को जल संसाधनों के संरक्षण में शामिल करने का लक्ष्य रखा है।

जल को बचाने के लिये महिलाओं व बच्चों को समझाईश दी

मंदसौर, 05 मई गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य नदी, तालाब, पुरानी बावड़ी सार्वजनिक कुंओ की स्वच्छता और संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह अभियान जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया है। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद आर्थिक योजना एवं सांख्यिकी विभाग मंदसौर ब्लॉक भानपुरा कर्मभूमि सामाजिक सेवा समिति सांनडा द्वारा महिलाओं एवं बच्चों को जल को अधिक से अधिक बचाने जैसे नलों द्वारा पानी टपकना, हेड पंप के आसपास सोकता गड्ढा बनाकर जल को उसमें भूमिगत करना, बावड़ियों के आसपास साफ सफाई करना, जल को अधिक से अधिक बचाना है, जल है तो कल है, जल की एक-एक बूंद बहुत महत्वपूर्ण होती है, नहरों के आसपास साफ सफाई करना एवं अपने-अपने घरों में जो पानी बाहर बहकर जाता है उसको भी सोकता गड्ढा बनाकर भूमिगत करना और पानी की क्षमता बढ़ाना, आदि बातों की महिलाओं एवं बच्चों को समझाईश दि गई।

मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मंदसौर (म.प्र.)

सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग

कार्यालय का ई मेल-gmomas@nic.in दूरभाष क्रमांक-07422-223142

****** प्रेसनोट ******

औद्योगिक भूखण्डों के आवंटन हेतु एक्सप्रेशन ऑफ इन्टरेस्ट का आमंत्रण

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा मंदसौर जिले में स्थित विभागीय औद्योगिक क्षेत्र गरोठ जिला मंदसौर में रिक्त औद्योगिक भूखंडों के आवंटन हेतु दिनांक 01.05.2025 प्रातः 11.00 बजे से दिनांक 15.05.2025 को अपरान्ह 05.00 बजे तक एक्सप्रेशन ऑफ इन्टरेस्ट आमंत्रित किये गए है। उक्त प्रक्रिया विभागीय पोर्टल mpmsme.gov.in पर संपादित की जाएगी। प्रक्रिया अंतर्गत प्रमुख शर्ते निम्नानुसार है-

1. प्रत्येक भूखंड हेतु आवेदन शुल्क रु. 5000/- होगा। आवेदन शुल्क वापसी योग्य नहीं होगा।
2. आवेदन शुल्क के अतिरिक्त आवेदित भूमि हेतु आवेदन दिनांक को प्रचलित प्रब्याजी (premium) की 25 प्रतिशत अग्रिम राशि पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन जमा करनी होगी।
3. भूखंडों का आवंटन मध्यप्रदेश एमएसएमई को औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम 2025 के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।

नियम, प्रक्रिया एवं भूखण्डों आदि की विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाईट mpmsme.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

महाप्रबंधक
जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, मंदसौर

G-12390/25

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण -सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक एमआईजी.ए-33 जो श्रीमती अनुसूईयाबाई पति श्री नर्मदाप्रसाद शर्मा को वर्ष 1982 में आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 29.05.2006 को उप पंजीयक कार्यालय में पंजीबद्ध करवाया गया था। श्रीमती अनुसूईया बाई पति श्री नर्मदाप्रसाद शर्मा द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमती सम्पतबाई पति श्री अमृतलाल डोसी को कर विक्रय पत्र दिनांक 24.03.2008 इनके पक्ष में निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्रीमती सम्पतबाई पति श्री अमृतलाल डोसी अपने नाम करवाना चाहती है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्रीमती सम्पतबाई पति श्री अमृतलाल डोसी के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत) सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

NAME CHANGE

I ABDE ALI S/O MUSTAFA HERE BY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO ABDEALI BURHANI S/O MUSTAFA BURHANI HENCEFORTH, I SHALL BE KNOWN AS ABDEALI BURHANI S/O MUSTAFA BURHANI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

ADDRESS :- CENTRAL BANK KE SAMNE SUWASRA - 458888

न्यायालय नायब तहसीलदार, तहसील नीमच नगर जिला नीमच (म.प्र.)

प्रकरण क्रं.0003/अ-20(2)/2024-25 ई.नं.-154, दिनांक 28.04.2025

****** प्रेस विज्ञप्ति ******

सर्व साधारण जनता ग्राम धनेरियाकलां को सूचित किया जाता है कि आवेदक मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के द्वारा विजयसिंह सिसोदिया संस्था का पता रतलाम शहर द्वारा नगरेतर किया है, जो श्रीमान कलेक्टर महोदय नीमच जिला नीमच के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है, जो श्रीमान का प्रकरण क्रमांक 0006/अ-20(2)/2024-25 से श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी महोदय के प्रकरण क्रमांक 0003/अ-20(2)/2024-25 के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। ग्राम धनेरियाकलां में स्थित भूमि सर्वे नं. 719 रकबा 4.61 हे., 724 रकबा 4.61 हे., 725 रकबा 0.22 हे., 726 रकबा 0.80 हे., 731 रकबा 1.50 हे., 732 रकबा 0.20 हे., 733 रकबा 0.95 हे., 734 रकबा 0.36 हे., 735 रकबा 1.34 हे., 736 रकबा 0.12 हे., 737 रकबा 0.31 हे., 738 रकबा 1.87 हे., 739 रकबा 1.92 हे. पर भूमि ई.डब्ल्यू.एस. एवं कमजोर आय वर्ग हेतु भवन निर्माण हेतु भूमि आवंटन के संबंध में निर्धारित प्रारूप में जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 09.05.2025 तक इस न्यायालय में न्यायालयीन समय में स्वयं या जर्ये अभिभाषक के प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् किसी भी आपत्ति आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाकर प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 28.04.2025 मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
तहसील नीमच नगर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in